नई दिल्ली ■ शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 12 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 अमेरिका-ईरान युद्धविराम से पूरे विश्व को आशा | 07 डेविड मिलर की मंशा में कमी नहीं निकाल सकते : गावस्कर | असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा अर्जुन 08

केरल, पुडुचेरी व असम विधानसभा चुनाव में दर्ज किया गया रिकॉर्ड मतदान

नई दिल्ली। असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के मतदान में अब तक का सबसे अधिक क्रमशः 85.38 प्रतिशत और 89.83 प्रतिशत दर्ज किया गया है। मतदान प्रक्रिया अधिकांश स्थानों पर शांतिपूर्ण रही।

केरल में भी 78.03 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। इसके साथ ही तीन राज्यों की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से जुड़ा मतदान संपन्न हुआ। पिछली बार 2016 में उच्चतम असम में 84.67 प्रतिशत और पुडुचेरी में 86.19 प्रतिशत रहा था। असम, केरल और पुडुचेरी की विधानसभा के लिए मतदान सुबह 07 बजे शुरू हुआ। इसके साथ ही कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी कराए गए। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण रही और केवल कुछ छोटे घटनाक्रम सामने आए। असम में पुरुष मतदान 84.80 प्रतिशत और महिला मतदान 85.96 प्रतिशत रहा।

पुडुचेरी में पुरुष मतदान 88.09 प्रतिशत और महिला मतदान 91.33 प्रतिशत दर्ज हुआ। उपचुनावों में कर्नाटक के बागलकोट-24 सीट पर 68.70 प्रतिशत और दावणगेरे दक्षिण-107 सीट पर 68.55 प्रतिशत मतदान हुआ। नगालैंड के कोरिडांग-28 में 82.21 प्रतिशत और त्रिपुरा के धर्मनगर-56 में 80.04 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। आयोग ने बताया कि पहली बार असम, केरल और पुडुचेरी के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत लाइव वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई। कुल 296 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। इन क्षेत्रों में 5.31 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत थे। मतदान के लिए 63,084 मतदान केंद्र बनाए गए और 2.5 लाख से अधिक मतदान कर्मियों संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत मतदाता सूची की तैयारी और चुनाव संचालन में पारदर्शिता ने भरोसा बढ़ाया है। इस उच्च विश्वास के कारण भारत का लोकतंत्र पहले से अधिक मजबूत और सशक्त हुआ है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का कहना है कहा कि 2026 के असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व लोकतंत्र के लिए भी ऐतिहासिक उदाहरण हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग की ओर से सभी मतदाताओं को बधाई दी ।

इधर केरल विधानसभा की 140 सीट के लिए मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया। सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ), कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने इस चुनाव के लिए लगभग एक महीने तक प्रचार किया। सोलहवीं केरल विधानसभा के गठन के लिए हुए चुनावों में भारी मतदान दर्ज किया गया। शाम सात बजे तक 77.45 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2021 के विधानसभा चुनावों के 74.06 प्रतिशत मतदान से अधिक है। मतदान प्रक्रिया काफी हद तक शांतिपूर्ण रही, केवल कुछ स्थानों पर मामूली तकनीकी समस्याएं ही सामने आईं। राज्य के सभी 140 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हुआ, जिसमें 2.71 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब तय : मोदी

आसनसोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और राज्य में 'डबल इंजन सरकार' बनने का दावा किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में परिवर्तन की लहर चल रही है और अब यह परिवर्तन 'पत्थर की लकीर' बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल में चुनावी जनसभा में कहा कि पश्चिम बर्धमान की जनता का उत्साह और जनसैलाब इस बात का संकेत है कि पूरा बंगाल बदलाव चाहता है। टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और आगामी चुनाव राज्य के भविष्य को नई दिशा देने वाला साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि 4 मई के बाद राज्य में नई सरकार बनेगी और बंगाल विकास के नए युग में प्रवेश करेगा। मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी के शासन में राज्य के संसाधनों, संभावनाओं और युवाओं के अवसरों पर 'गुंडों का कब्जा' हो गया है। बंगाल की संपत्ति, जो विकास में लगनी चाहिए थी, उसकी खुलेआम लूट हो रही है। टीएमसी राज्य को आगे ले जाने के बजाय पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने आसनसोल-दुर्गापुर क्षेत्र के औद्योगिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इलाका कभी देश के औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र हुआ करता था।

उन्होंने कहा कि साइकिल से लेकर रेल, पेपर से लेकर स्टील, एल्युमिनियम से लेकर ग्लास तक, यहां उद्योगों की लंबी श्रृंखला थी लेकिन आज उद्योगों का पलायन हो रहा है और युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय देश की आय में बंगाल का योगदान लगभग 12 प्रतिशत था, जो

अब घटकर काफी कम हो गया है। इसके लिए उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी दलों और टीएमसी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सभी दलों ने बंगाल के लोगों के साथ विश्वासघात किया और राज्य के विकास को बाधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि आसनसोल और पूरे बंगाल को उसकी पुरानी औद्योगिक पहचान लौटाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि 'माफियाराज से मुक्ति' और विकास का रास्ता केवल भाजपा-नीत राजग सरकार ही दे सकती है। मोदी ने कहा कि पिछले कई दशकों में बंगाल की जनता ने कांग्रेस, वामपंथियों और टीएमसी सभी पर भरोसा किया, लेकिन सभी ने जनता को निराश किया। अब लोग केवल वादों पर नहीं, बल्कि काम और ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लेना चाहते हैं और इस मामले में भाजपा सबसे मजबूत है।

प्रधानमंत्री ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से जुड़ी घटनाओं और संदेशखाली का उल्लेख करते हुए कहा कि ये घटनाएं दर्शाती हैं कि टीएमसी अपराधियों के साथ खड़ी है। राज्य में महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और एसिड अटैक जैसे मामलों में वृद्धि चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार की 'बौखलाहट' के कारण वह केंद्रीय सुरक्षा बलों, विशेषकर सीआरपीएफ पर भी सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता इसका जवाब देगी और राज्य में कानून का राज स्थापित होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बंगाल के लोगों की बड़ी चिंता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलाव हो रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों की आस्था, आजीविका और सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

मोदी ने कहा कि 23 अप्रैल को होने वाला मतदान बंगाल के भविष्य के लिए निर्णायक होगा। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने वोट का उपयोग राज्य में सुरक्षा, विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए करें। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा का मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास' है, लेकिन जिन्होंने बंगाल को लूटा है, उनके लिए 'सबका हिसाब' होगा।

लेबनान में इजराइल के हमलों में 203 लोग मारे गए

बेरुत। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बुधवार को मध्य बेरुत और अन्य क्षेत्रों में इजराइल के हमलों में कम से कम 203 लोग मारे गए। मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि हमलों में 1,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

इजराइल और लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला के बीच युद्ध छिड़ने के बाद से पिछले पांच सप्ताह में बुधवार को सबसे ज्यादा लोग मारे गए। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, बिना किसी चेतावनी के जिन इमारतों पर हमला किया गया, उनमें से कई घनी आबादी वाले व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्रों में थीं, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर नागरिक हताहत हुए। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इन हमलों को 'बर्बर' करार दिया।

रेलवे में कई जोन के जीएम बदले

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में उच्च स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई जोनों में नए महाप्रबंधकों की नियुक्ति की गई है। रेलवे बोर्ड द्वारा गुरुवार को जारी आदेशों के अनुसार राष्ट्रपति ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। रेलवे बोर्ड के आदेश के मुताबिक, रामाश्रय पांडे को पश्चिम रेलवे का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है, जबकि राजीव श्रीवास्तव को सेंट्रल रेलवे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह पी. अनंथ को दक्षिण पश्चिम रेलवे का महाप्रबंधक बनाया गया है। इसके अलावा दिलीप कुमार सिंह को पश्चिम मध्य रेलवे का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है। रमण कृष्णन को मॉडर्न कोच फैक्टरी, रायबरेली का महाप्रबंधक बनाया गया है, वहीं अनिल कुमार जैन को दक्षिण पूर्व रेलवे का महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है।

गुरदासपुर में ISI समर्थित बीकेआई आतंकी मॉड्यूल के दो गुर्गे गिरफ्तार

चंडीगढ़। अमृतसर ग्रामीण, गुरदासपुर और काउंटर इंटेलिजेंस विंग के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

इनके पास से बरामद सामग्री से संकेत मिला है कि यह मॉड्यूल पंजाब में शांति भंग करने के लिए उच्च-प्रभाव वाले आतंकी हमलों की तैयारी कर रहा था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान आकाश मसीह और जबलौन के रूप में हुई है। दोनों जिला गुरदासपुर के थाना घुमान कलां के गांव दुल्ला नंगल के निवासी

हैं। दोनों का आपराधिक रिकॉर्ड पहले से मौजूद है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि इनके पास से महत्वपूर्ण बरामदगी की गई है। जिनमें पांच हैंड ग्रेनेड, दो विशेष डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर युक्त पुश-टू-टॉक (पीटीटी) टाइमर, 9 वोल्ट बैटरी, इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) सामग्री (1 किलोग्राम उच्च विस्फोटक), केबल तथा ट्रिगर सहित एक बाओफेंग वॉकी-टॉकी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह बरामदगी इस बात का संकेत है कि यह मॉड्यूल राज्य में शांति भंग करने के लिए उच्च-प्रभाव वाले आतंकी हमलों की तैयारी कर रहा था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हाशेम खान चौधरी का निधन

कोलकाता। कांग्रेस नेता दिवंगत एबीए गनी खान चौधरी के भाई और पूर्व केंद्रीय मंत्री अबू हाशेम खान चौधरी का बुधवार रात निधन हो गया। निधन के समय उनकी आयु 89 वर्ष थी। वे लंबे समय से वृद्धावस्था से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे। कोलकाता के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मालदा जिले के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर फैल गई है। अंतिम समय में उनकी पत्नी उनके साथ अस्पताल में मौजूद थीं।

बक्सर में पीएम पर हमले की साजिश का पर्दाफ़ाश, मुख्य आरोपी गिरफ़्तार

बक्सर। बिहार के बक्सर जिले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमले की साजिश रचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि दो अन्य को हिरासत में लिया है।

यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर सिमरी थाना क्षेत्र में की गई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) शुभम आर्य ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान अमन तिवारी के रूप में हुई है, जो सिमरी के आशा पड़री गांव का निवासी है।

उस पर आरोप है कि उसने अमेरिका की खुफिया एजेंसी, केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) को प्रस्ताव भेजकर प्रधानमंत्री की हत्या की योजना में सहयोग के बदले बड़ी रकम की मांग की थी।

भारतीय सेना ने चलाया 'ऑपरेशन हिम सेतु' उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे पर्यटकों को बचाएंगे जवान

गंगटोक। भारतीय सेना की त्रिशक्ति कोर ने उत्तरी सिक्किम के लाचेन में फंसे पर्यटकों को बचाने के लिए 'ऑपरेशन हिम सेतु' चलाया है। भूस्खलन के कारण उत्तरी सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र में यातायात प्रभावित हुआ है।

इस स्थिति के मद्देनजर भारतीय सेना की पूर्वी कमान के तहत त्रिशक्ति कोर ने 'ऑपरेशन हिम सेतु' के साथ तेजी से प्रतिक्रिया दी है, जिसका उद्देश्य पहुंच बहाल करना और फंसे हुए पर्यटकों को बचाना है। सेना के पीआरओ ने आज प्रेस बयान

में कहा कि खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बावजूद सैनिकों ने महत्वपूर्ण मार्ग खोले हैं और बचाव को संभव बनाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का संचालन किया है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), त्रिशक्ति कोर के सैनिकों के साथ समन्वय में लगातार सड़कों को साफ कर रहा है, बर्फ को साफ कर कठिन मौसम और इलाके में सड़क संपर्क बहाल कर रहा है।

बचाव अभियान चरणबद्ध तरीके 135 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 32 हल्के वाहनों और 10 मोटरसाइकिलों को भी निकाला गया। बयान में कहा गया है कि भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन के साथ समन्वय में स्थिति के अनुसार मौके पर सहायता, स्वास्थ्य सेवा और निकासी प्रदान करने में सक्रिय रही है। वर्तमान में लगभग 1,000 पर्यटक लाचेन में हैं और उन्हें सुरक्षित रूप से निकाल्ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार

चोरी के सामान व अवैध हथियार बरामद

नोएडा। थाना सूरजपुर पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में गुरूवार को चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। घटना मोजर वियर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड पर उस समय हुई, जब पुलिस संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही थी। गिरफ्तार बदमाशों के खिलाफ पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के विभिन्न थानों में 49 मुकदमें विभिन्न आपराधिक मामलों में दर्ज है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैव्या गोयल ने बताया कि आज दोपहर को थाना सूरजपुर पुलिस टीम ने मोजर वियर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड पर चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार संदिग्ध व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे भागने लगे। पीछा करने पर उनकी मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पेड़ों और झाड़ियों की आड़ लेकर पुलिस पर जानलेवा फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षार्थ कार्रवाई की। इसमें दो बदमाश घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल बदमाशों की पहचान मुकेश उर्फ मुक्के (32 वर्ष) और आकाश (29 वर्ष) के रूप में हुई है। वहीं, कांबिंग के दौरान उनके दो अन्य साथियों देवेन्द्र शर्मा उर्फ देबू शर्मा (40 वर्ष) और सतपाल (50 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने चारों अभियुक्तों के कब्जे से एक-एक तमंचा, कारतूस तथा दो बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इसके अलावा मुकेश और आकाश के पास से एक ड्रिल मशीन और दो ड्रिल रॉड भी बरामद किए गए हैं। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान देवेन्द्र शर्मा और सतपाल की निशानदेही पर थाना सूरजपुर क्षेत्र के ग्राम तिलपता और ग्राम देवला में हुई चोरी की घटनाओं से संबंधित सामान भी बरामद किया गया है। बरामद वस्तुओं में फ्रिज, एलईडी टीवी, बैटरी, इन्वर्टर, कुकर, प्लेट और अन्य घरेलू सामान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी थाना सूरजपुर में दर्ज कई मामलों में वांछित चल रहे थे। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और बरामद मोटरसाइकिलों के संबंध में भी जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों से अन्य आपराधिक गतिविधियों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

अवैध हथियार तस्करी का पुलिस ने किया खुलासा, दो बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेस-वन पुलिस ने अवैध शस्त्रों की खरीद-फरोख्त और तस्करी में लिप्त दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें अवैध शस्त्र उपलब्ध कराने की बात स्वीकार की है। एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बताया कि थाना फेस-वन पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर गंदे नाले की पुलिया के पास से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अभिषेक पुत्र मूलचंद और समीर पुत्र नीरज के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके साथ एक बाल अपचारी को भी अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों के कब्जे से 5 पिस्टल (.32 बोर), 5 देशी तमंचे (.315 बोर) और 1 देशी तमंचा (.32 बोर) बरामद किए गए हैं। एडीसीपी ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अवैध हथियार रखने के शौकीन हैं और इन्हें अपने साथियों व आसपास के युवकों को दिखाकर प्रभाव जमाते थे। साथ ही, वे मुनाफा कमाने के लिए इन हथियारों की खरीद-फरोख्त करते थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी अवैध पिस्टल को लगभग 40 से 45 हजार रुपये में खरीदकर 65 से 75 हजार रुपये में बेचते थे। इसी तरह तमंचे 4 से 5 हजार रुपये में खरीदकर करीब 10 हजार रुपये में बेचे जाते थे। इस अवैध कारोबार से प्राप्त धनराशि का उपयोग वे अपने शौक और अन्य जरूरतों को पूरा करने में करते थे।

मैट्रिमोनी वेबसाइट पर हुई दोस्ती के बाद युवती के साथ अश्लील हरकत

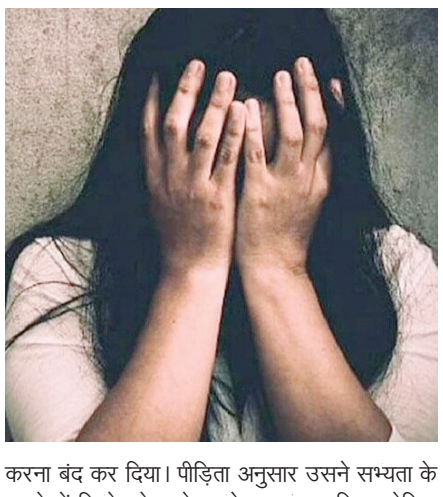

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना एक्सप्रेस-वे में एक युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि भारत मैट्रिमोनी वेबसाइट के माध्यम से उसकी मुलाकात एक युवक से हुई। पहली मुलाकात में उसने उसके साथ अश्लील हरकत की। युवती के अनुसार दूसरी मुलाकात में उसने उसके अंर्तवस्त्र उतरवाए तथा निजी अंगों पर फिंगरिंग की। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना एक्सप्रेसवे के प्रभारी निरीक्षक अमित खारी ने बताया कि एक युवती ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी भारत मैट्रिमोनी के माध्यम से आशीष कटियार नामक युवक से मार्च माह मे मुलाकात हुई। युवती के अनुसार आशीष पहली मुलाकात के समय उसके कमरे में रहने के लिए जबरदस्ती आ गया। पहली मुलाकात के समय उसने उसके साथ काफी छेड़खानी की। युवती के अनुसार वह काफी सचेत रही, तथा मामले को सभ्यता से आगे बढ़ाया। दूसरी मुलाकात के दौरान उसने उसके बिना सहमति के उसके साथ जबरदस्ती की तथा उसके अंतर्वस्त्र खोल दिया। युवती के अनुसार उसके निजी अंग पर उसने फिंगरिंग की तथा शरीर के नाजुक अंगों को इधर-उधर छुआ। उसके अनुसार उसके असभ्य आचरण के चलते उसने उससे बात करना बंद कर दिया। पीड़िता अनुसार उसने सभ्यता के दायरे में रिश्ते को आगे बढ़ने का प्रयास किया लेकिन आशीष के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में युवती ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मानसिक तनाव के चलते महिला ने की आत्महत्या

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के चोटपुर कॉलोनी में रहने वाली 31 वर्षीय महिला ने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि श्वेता पत्नी अनिल कुमार (29 वर्ष) चोटपुर कॉलोनी में रहती थी। वह मूल रूप से जनपद कन्नौज की रहने वाली थी। उन्होंने बताया कि बीती रात को श्वेता ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। अगर वे इस मामले में कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच करेगी।

पर्यटन मंत्री ने जेवर में सती व खेड़ा दैवत मंदिर के जीर्णोद्धार को दी हरी झंडी

नोएडा। जेवर विधानसभा क्षेत्र की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संजोने की दिशा में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान विधायक ने जेवर के कासना स्थित प्राचीन सती मंदिर और दनकौर स्थित खेड़ा दैवत मंदिर के कायाकल्प और सौंदर्याकरण के लिए आवश्यक धनराशि जारी करने का अनुरोध किया, जिस पर मंत्री ने अपनी सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है। विदित हो कि 12 मार्च 2026 को जेवर क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण के अवसर पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने जनभावनाओं को देखते हुए इन दोनों मंदिरों के सौंदर्याकरण की सार्वजनिक घोषणा की थी। विधायक धीरेंद्र सिंह द्वारा गुरुवार की मुलाकात उसी घोषणा को धरातल पर उतारने और वित्तीय स्वीकृति प्राप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। मुलाकात के दौरान पर्यटन मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश के धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के पुनरुद्धार के लिए संकल्पबद्ध है। कासना और दनकौर के ये मंदिर जनमानस की अटूट आस्था के केंद्र हैं। विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रस्ताव पर संज्ञान लेते हुए, हमने इन स्थलों को पर्यटन मानचित्र पर उभारने और इनके सौंदर्याकरण हेतु शीघ्र धनराशि निर्गत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं सहमति प्राप्त होने के बाद विधायक धीरेंद्र सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कासना का सती मंदिर और दनकौर का खेड़ा दैवत मंदिर हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं। इन प्राचीन स्थलों के जीर्णोद्धार से न केवल क्षेत्र की धार्मिक गरिमा बढ़ेगी, बल्कि यह पर्यटन की दृष्टि से भी मील का पत्थर साबित होंगे। मैं पर्यटन मंत्री का आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने अपनी घोषणा पर त्वरित कार्यवाही करते हुए क्षेत्रवासियों की भावनाओं का सम्मान किया है।

कार ने मारी ई- रिक्शा में टक्कर, 3 स्कूली बच्चे घायल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 39 क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में तीन स्कूली छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर- 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि बीती रात को रोहित अग्रवाल पुत्र विनोद अग्रवाल निवासी सेक्टर 41 ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि मेरे तीन बच्चे लवानवी, रोनी और कविता खेतान स्कूल सेक्टर 40 से पढ़कर आठ अप्रैल को एक ई- रिक्शा में सवार होकर सेक्टर 41 स्थित अपने घर जा रहे थे, तभी एक कार के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए ई-रिक्शा में टक्कर मार दिया। इस घटना में उनके तीनों बच्चे और ई -रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

4% आबादी भूखंड को लेकर किसानों का बड़ा ऐलान

एक से दस मई तक प्राधिकरण पर महापंचायत, आंदोलन होगा तेज

ग्रेटर नोएडा। स्वर्णनगरी स्थित प्रेस क्लब में 4% आबादी भूखंड के मुद्दे को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व चौधरी प्रकाश प्रधान ने किया, जिसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के पीड़ित किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जब तक किसानों को उनका वैध अधिकार–4% आबादी भूखंड– नहीं मिल जाता, तब तक जन आंदोलन लगातार जारी रहेगा। किसानों ने साफ शब्दों में कहा कि वे अपने हक के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं, चाहे इसके लिए जेल जाना पड़े या प्राधिकरण के खिलाफ कड़ा रुख अपनाना पड़े। किसानों ने यह भी स्पष्ट किया कि आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखी जाएंगी, लेकिन किसी भी हाल में आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे। इस दौरान एक बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की गई कि 1 मई से 10 मई 2026 तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी, जिसमें क्षेत्र के सभी गांवों के किसान बड़ी संख्या में भाग लेंगे। महापंचायत की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इसे निर्णायक आंदोलन के रूप में देखा जा रहा है। बैठक में धीरज प्रमुख, जयचंद भाटी, सुबीन भाटी, बॉबी नागर, महकेश भाटी, लाला उर्फ महरचंद, सुनील भाटी (सिरसा), प्रवीण शर्मा, जयवीर कसाना, पप्पू नेताजी (मायचा), विजेंद्र चौहान, राजू प्रजापति, मुखिया डाढा फिरे सहित कई लोग मौजूद रहे। किसानों के इस ऐलान के बाद आने वाले दिनों में ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आंदोलन तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

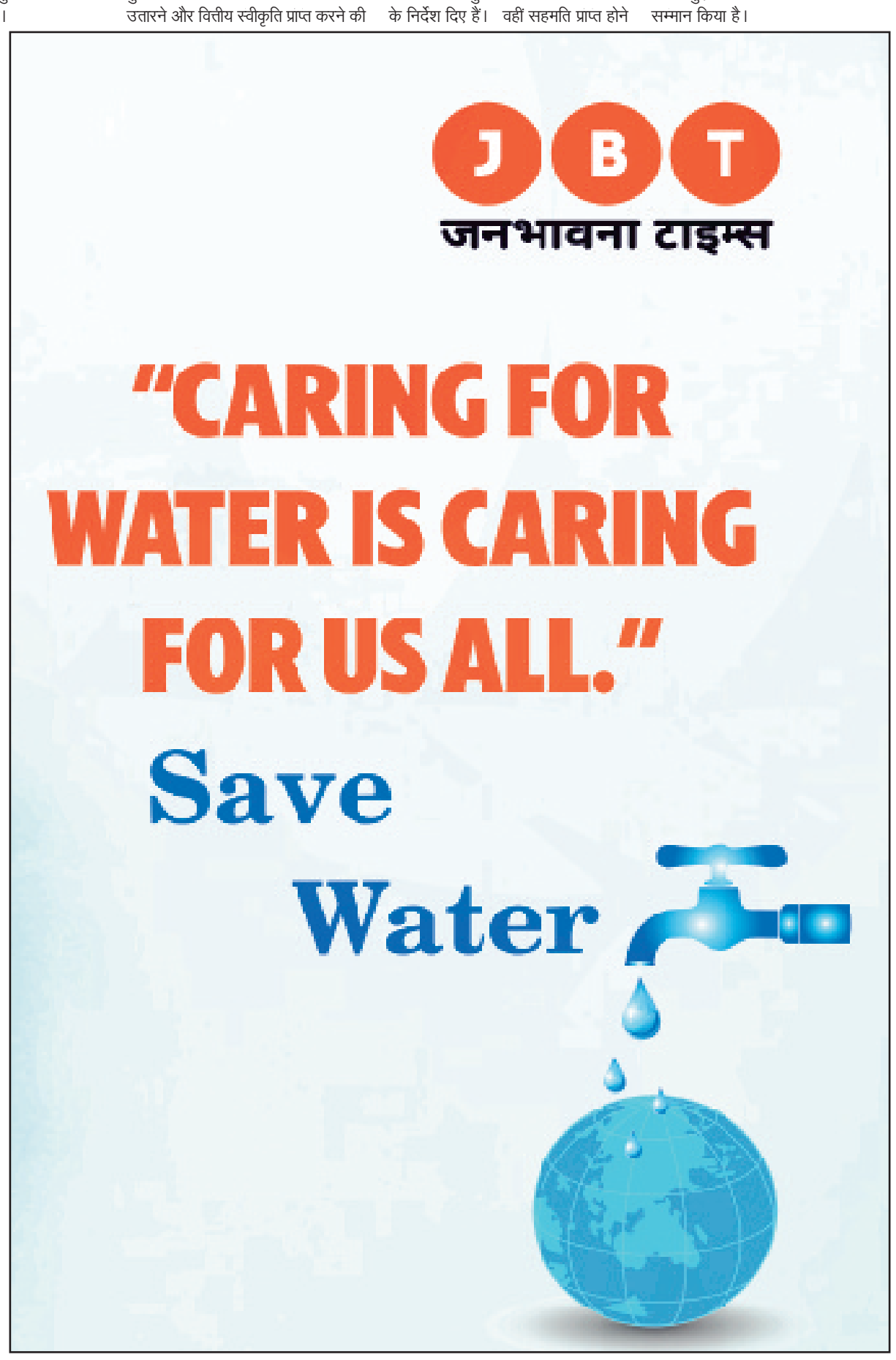

छात्र की गड्ढे मे डूबकर हुई मौत का मामला:

तीन डॉक्टरों के पैनल से करवाया गया पोस्टमार्टम, मां ने जताई हत्या के आशंका

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 126 क्षेत्र के सेक्टर 94 के पास एक सोसाइटी के निर्माण के लिए खोदे गए बेसमेंट के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से 23 वर्षीय निजी विश्वविद्यालय के फिजिकल एजुकेशन के छात्र की बुधवार की शाम को मौत हो गई । पेपर खत्म होने के बाद उसने अपने तीन सहपाठियों के साथ बैठकर शराब पी। उसके बाद वह गड्ढे में नहाने चला गया था। पुलिस ने शव का तीन डॉक्टरों के पैनल से आज सुबह को पोस्टमार्टम करवाया। मृतक के पिता लद्दाख से दिल्ली पहुंच रहे हैं। वह रिटायर्ड सैन्य कर्मी है। मृतक छात्र के परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका जताई है। उनके अनुसार उनका बेटा शराब नहीं पीता था।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) साद मिया खान ने बताया कि सेक्टर 125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय से फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई करने वाले हर्षित भट्ट उम्र 23 वर्ष अपने तीन अन्य सहपाठियों हिमांशु, व्यास, कृष के साथ बुधवार शाम को कॉलेज से पेपर देकर निकले। पेपर अच्छा गया था। चारों दोस्तों ने सेक्टर 94 के पास बैठकर एक साथ मदिरा पी। हर्षित ने शराब का नशा होने के बाद पास में ही एक सोसाइटी बनाने के लिए खोदे गए बेसमेंट के गड्ढे में भरे पानी में तैरने चला गया। उन्होंने बताया कि गहरे गड्ढे में तैरते समय वह पानी में डूब गया। उसके दोस्त भी उसे बचाने के लिए गड्ढे में कूदे। वह भी डूबने लगे। आसपास के लोगों ने तीनों को बचाया, तथा पुलिस को सूचना दी।

एनडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, पुलिस मौके पर पहुंची। आधे घंटे की मशक्कत के बाद हर्षित को को पानी से बाहर निकला गया। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि जहां पर यह गड्ढा है उसके चारों तरफ करीब 8 फीट ऊंची बैरिकेटिंग लगाई गई है। पोस्टमार्टम हाउस के सामने कुछ हिस्सा खुला हुआ है, उसी के अंदर से घुसकर हर्षित गड्ढे में नहाने गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में मृतक के परिजनों ने अभी तक पुलिस से कोई शिकायत नहीं की है। वहीं मृतक की मां ने पुलिस से कहा कि उसका बेटा शराब नहीं पीता था। उन्होंने यह भी कहा है कि उसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि उसके बेटे के साथ मारपीट कर गड्ढे में धकेला गया है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने हर्षित के दोस्तों से पूछताछ की है। पेपर अच्छा होने के बाद पार्टी की योजना बनाई गई थी। जिस प्लांट के गड्ढे में डूबने से छात्र की मौत हुई वहा उत्तर प्रदेश निर्माण निगम के द्वारा निर्माण किया जा रहा था। आसपास के लोगों ने बताया कि यह जगह काफी समय से खाली थी। बाद में इसकी खुदाई कराई गई, लेकिन पिछले कुछ साल से यहां पानी भरा है। इसकी गहराई 30 से 40 फिट होने का अनुमान है। उनके अनुसार गड्ढे के अंदर दलदल है।

केजरीवाल न्यायाधीश को 'विधि सम्मेलन' में जाने पर सुनवाई से अलग करने की मांग नहीं कर सकते: CBI

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त किए गए अन्य आरोपी केवल इस आधार पर न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को मामले की सुनवाई से अलग किए जाने का अनुरोध नहीं कर सकते कि उन्होंने अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के एक ''विधि सम्मेलन'' में हिस्सा लिया था। सीबीआई के अनुसार, इससे किसी वैचारिक जुड़ाव का संकेत नहीं मिलता।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए थे और आबकारी नीति मामले में उन्हें एवं अन्य सभी आरोपियों को आरोप मुक्त किए जाने के फैसले के खिलाफ सीबीआई की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई से न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को अलग किए जाने का अनुरोध किया था।

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक तथा विजय नायर और अरुण रामचंद्र पिल्लई सहित अन्य प्रतिवादियों ने भी न्यायमूर्ति शर्मा को सुनवाई से अलग किए जाने के अनुरोध के साथ आवेदन दाखिल किए हैं।

सीबीआई ने इस अनुरोध के जवाब में कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत समेत उच्चतम न्यायालय के कई मौजूदा न्यायाधीश और विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध वकीलों के संगठन के कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं। उसने कहा कि यदि केजरवाल एवं अन्य प्रतिवादियों की दलील मान ली जाती है तो राजनीतिक रूप से प्रभावी आरोपियों से जुड़े किसी भी मामले की सुनवाई से उन सभी न्यायाधीशों को अलग होना पड़ेगा।

सीबीआई ने कहा कि जिन विधि सम्मेलनों का राजनीतिक मामलों से कोई लेना-देना नहीं है, उनमें शामिल होने को लेकर पक्षपात के ''अनुचित'' आरोप लगाना अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने, उसके प्राधिकार को कम करने और न्याय प्रशासन में दखल देने का प्रयास है जो अदालत की अवमानना के समान है।

सीबीआई ने अपने जवाब में कहा कि न्यायाधीश को सुनवाई से अलग करने की मांग तुच्छ और बेबुनियाद दलीलों पर आधारित है, जो पूरी तरह परेशान करने वाली हैं और इसे ''भारी जुर्माने'' के साथ खारिज किया जाना चाहिए।

जवाब में कहा गया, ''किसी ऐसे विधि सम्मेलन में शामिल होना मामले से अलग किए जाने का कभी आधार नहीं हो सकता, जिसका विषय राजनीतिक नहीं था इसलिए इससे किसी वैचारिक जुड़ाव का संकेत नहीं मिलता और यह दलील निराधार है। यदि अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में शामिल होना किसी न्यायाधीश के वैचारिक पक्षपात को दर्शाता है तो उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के बड़ी संख्या में मौजूदा न्यायाधीशों को उन सभी मामलों की सुनवाई से अलग होना पड़ेगा जिनमें राजनीतिक रूप से प्रभावी व्यक्ति आरोपी हैं।''

एजेंसी ने कहा कि किसी न्यायाधीश द्वारा न्यायिक निर्णय में अपनाया गया दृष्टिकोण पक्षपात का आरोप लगाने का आधार नहीं हो सकता और केजरीवाल एवं अन्य आरोपियों की यह मांग ''अनुकूल पीठ चुनने'' की कोशिश है।

सीबीआई ने इस बात पर जोर दिया कि न्यायमूर्ति शर्मा को इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग नहीं करना चाहिए। उसने कहा कि सांसदों और विधायकों से संबंधित मामलों की सुनवाई का दायित्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा न्यायाधीश को सौंपा गया था जिसे केवल केजरीवाल के अनुरोध पर बदला नहीं जा सकता है।

उसने कहा कि उच्च न्यायालय के विभिन्न न्यायाधीशों और उच्चतम न्यायालय ने भी आबकारी नीति मामले में प्रतिकूल टिप्पणियां की हैं और यदि केजरीवाल की दलील स्वीकार कर ली जाए, तो उन सभी न्यायाधीशों को भी मामले की सुनवाई से अलग होना पड़ेगा। एजेंसी ने कहा कि निष्पक्ष सुनवाई नहीं होने की आशंका ''कयासों एवं अटकलों'' पर आधारित नहीं हो सकती और न्यायाधीश के अलग होने का आदेश ''किसी ठोस आधार के बिना'' पारित नहीं किया जा सकता। सीबीआई ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बाहरी दबाव से बचाया जाना चाहिए और सुनवाई से अलग होने की शक्ति का इस्तेमाल सावधानी से तथा अपवादस्वरूप परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए, नहीं तो ''अनुचित मंशा वाले वादी'' अपनी पसंद की पीठ तलाशने लगेंगे।

3.60 करोड़ की साइबर ठगी का भंडाफोड़, दो आरोपी दबोचे

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले की साइबर पुलिस ने ऑनलाइन APK फ्रॉड के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह करीब 3.60 करोड़ की साइबर ठगी में शामिल था। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा में बताया कि पीयूष नामक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके खाते से 6.65 लाख की अवैध ट्रांजैक्शन हो गई।

जांच में पता चला कि उसके मोबाइल में एक संदिग्ध APK फाइल इंस्टॉल कर दी गई थी, जिसके जरिए ठगों ने बैंक डिटेल्स एक्सेस कर ली।जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और बैंक ट्रांजैक्शन ट्रेल के आधार पर आगरा से राम अवतार सिंह और विक्रांत सोनी को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन और टेलीग्राम चैट सहित अहम डिजिटल सबूत बरामद हुए हैं।पूछताछ में खुलासा हुआ कि विक्रांत सोनी को कंबोडिया और थाईलैंड में साइबर फ्रॉड की ट्रेनिंग दी गई थी, जहां विदेशी हैंडलर्स द्वारा भारतीय लोगों को निशाना बनाने की साजिश रची जाती थी।

भारत लौटकर उसने टेलीग्राम के जरिए गिरोह चलाया और म्यूल बैंक खातों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम ट्रांसफर की। पुलिस के अनुसार, गिरोह APK लिंक भेजकर लोगों को फंसाता था और मोबाइल हैक कर बैंक खातों से पैसे उड़ा लेता था।फिलहाल पुलिस अन्य आरोपियों और विदेशी कनेक्शन की जांच में जुटी है।

एस.एन. मार्ग पर देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़, नाबालिग समेत 8 युवतियां मुक्त

कैश, विदेशी मुद्रा, गांजा और शराब की बड़ी खेप बरामद, 2 गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने एस.एन. मार्ग स्थित अजमेरी गेट इलाके में चल रहे देह व्यापार के संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए नाबालिग समेत 8 युवतियों को रेस्क्यू किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नकदी, विदेशी मुद्रा, गांजा, शराब और अन्य आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया है।

मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि 8 अप्रैल की रात गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद एसीपी रिनचेन ओंगमु भूटिया की निगरानी में और डब्ल्यू/एसआई किरण सेठी के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। मौके से नेपाल निवासी गोपी राम परिहार उर्फ सूरज और लूमा कांत पांडे को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुख्य आरोपी राहुल और कुमारी फरार हैं।

जांच में सामने आया कि गिरोह पश्चिम बंगाल, असम और नेपाल से लड़कियों को लाकर यहां देह व्यापार में धकेलता था। रेस्क्यू की गई एक नाबालिग को पश्चिम बंगाल से लाया गया था। छापे के दौरान करीब 1.97 लाख रुपये नकद, 118 अमेरिकी डॉलर, नेपाली मुद्रा, 33 ग्राम गांजा, 700 से ज्यादा बीयर कैन व बोतलें, चाकू, डायरी और लेनदेन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए हैं।पुलिस ने इस मामले में बीएनएस, पॉक्सो, आईटीपी एक्ट, एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और गिरोह के नेटवर्क की जांच की जा रही है।

महापौर ने 500 छात्रों को प्रदान की 1000 रुपये छात्रवृति

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 500 प्रतिभाशाली छात्रों को एक क्लिक के माध्यम से छात्रवृत्ति सीधे उनके खातों में भेजी। छात्रवृत्ति सनग्रो कंपनी द्वारा प्रदान की साथ ही एक वेब ऐप का शुभारंभ किया। इस दौरान कार्यक्रम में दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, निगम की शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा शामिल हुए।

इस अवसर पर दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के विद्यालयों में देश का भविष्य तैयार हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में निगम के शिक्षा विभाग में कई नई योजनाओं को आरंभ किया एवं छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। महापौर ने निगम शिक्षकों से अनुरोध किया कि वो भी छात्रों को पूरी तन्मयता एवं समर्पण के साथ पढ़ाए।

महापौर ने कहा कि नगर निगम के शिक्षा विभाग ने आज 1514 निगम विद्यालयों के लिए एक वेब ऐप जारी किया है जिसकी सहायता से अभिभावक घर बैठे ही अपने बच्चों के गृहकार्य, कक्षाकार्य और उपस्थिति इत्यादि जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि यह निगम का सौभाग्य है कि उसके पास इतने अच्छे अध्यापक हैं।

साइबर ठगों पर बड़ी कार्रवाई, 113 आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने 'ऑपरेशन सीवाई-हॉक-4' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय साइबर और वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े कई गिरोहों का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान में कुल 57 मामलों में 113 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 303 शिकायतों को म्यूल खातों और मोबाइल नेटवर्क से जोड़ा गया।

पुलिस के अनुसार जांच के दौरान लगभग 22 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ी रकम का पता चला, जिसे विभिन्न म्यूल खातों और ठगों के नेटवर्क के माध्यम से संचालित किया जा रहा था। पुलिस की तत्परता के चलते 17 लाख रुपये की राशि लाभार्थी खातों में ही रोक दी गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 47 लाख 79 हजार रुपये नकद, एक लग्जरी कार, छह संगणक, 85 मोबाइल फोन, 11 पासबुक, 42 डेबिट कार्ड, 135 सिम कार्ड, एक वाई-फाई यंत्र और एक पैन कार्ड जब्त किया। इसके अतिरिक्त 488 लोगों से पूछताछ की गई तथा 164 नोटिस जारी किए गए। इस अभियान के तहत 23 नए प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं। इस ऑपरेशन में सबसे बड़ी सफलता हवाई टिकट धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ मिली। यह गिरोह दिल्ली, गोवा और मुंबई से संचालित हो रहा था और विशेष रूप से प्रवासी भारतीयों को निशाना बनाता था। पुलिस ने इसके मुख्य सरगना मृदुल जोशी को गिरफ्तार किया, जो दिल्ली के पटेल नगर और गोवा में फर्जी कॉल सेंटर चला रहा था। उसके साथ जुड़े अन्य सहयोगियों और म्यूल खातों के संचालकों को भी हिरासत में लिया गया। इस गिरोह से भारी मात्रा में नकदी, लग्जरी वाहन, मोबाइल उपकरण, संगणक, एटीएम कार्ड और फर्जी सिम कार्ड बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि यह गिरोह सोशल माध्यमों और डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए लोगों को सस्ते हवाई टिकट का लालच देता था। तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से पुलिस ने विभिन्न डिजिटल साक्ष्यों, संदेशों और नेटवर्क का अध्ययन कर आरोपियों की पहचान की। इसके अलावा पुलिस ने फर्जी ऋण अनुप्रयोग से जुड़े एक अन्य गिरोह का भी पर्दाफाश किया, जिसमें छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह गिरोह विदेशी वर्चुअल नंबरों का उपयोग कर लोगों को ऋण देने का झांसा देता था और फिर उनके निजी डाटा का दुरुपयोग कर उन्हें धमकाता था।

जांच में यह भी सामने आया कि धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि को पहले म्यूल खातों में डाला जाता था और बाद में उसे आभासी मुद्रा में परिवर्तित कर लिया जाता था, जिससे उसका पता लगाना कठिन हो जाए। आरोपियों के पास से जब्त मोबाइल फोन में इस पूरे नेटवर्क से जुड़े महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। पुलिस का कहना है कि इस मामले में आगे की जांच जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

24 घंटे में ब्लाइंड स्टैब-रॉबरी केस का खुलासा, 3 नाबालिग समेत 4 दबोचे

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ और मधु विहार थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ब्लाइंड नाइट स्टैब असॉल्ट रॉबरी केस को महज 24 घंटे में सुलझा लिया। पुलिस ने तीन नाबालिग (CCL) समेत चार आरोपियों को दबोचा लिया।पूर्वी जिले के डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि घटना 2-3 अप्रैल की रात की है, जब दो बदमाश स्कूटी पर सवार होकर चाकू के बल पर लूटपाट कर फरार हो गए थे। मामले में मधु विहार थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने 100 से ज्यादा CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी सर्विलांस के जरिए आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चोरी की स्कूटी, खून से सना चाकू और 8 लूटे/छीने गए मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।पूछताछ में खुलासा हुआ कि नाबालिग आरोपी एक ही रात में मधु विहार, मंडावली, कनॉट प्लेस और गाजियाबाद में कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस अब इनके अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री जीजीएसआईपीयू के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए

गुरु गोबिंद सिंह विवि ने समाज को दिशा दिखाई : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) का 18वां दीक्षांत समारोह बृहस्पतिवार को पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार स्थित परिसर में आयोजित किया गया।

जीजीएसआईपीयू के कुलपति महेश वर्मा ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुल 26,649 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 124 पीएचडी, 11 एमफिल, 2,873 स्नातकोत्तर, 22,455 स्नातक और 477 एमबीबीएस डिग्रियां शामिल हैं।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय ने 'देश, विश्व और समाज को दिशा दिखाई है।' उन्होंने कहा कि स्नातक होने वाले छात्र न केवल अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे बल्कि भारत को आगे ले जाने के लिए अपने विचार और दृष्टिकोण भी प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने मेडल व डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी ''विकसित भारत'' के संकल्प को आगे ले जाने वाली शक्ति हैं। आपकी सफलता ही देश की सफलता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारे युवाओं को जिस तरह की शिक्षा चाहिए, जैसी सुविधाएं चाहिए, हमारी सरकार उसी पर फोकस कर रही है।

दिल्ली के उपराज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष योगेश सिंह के साथ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से स्नातक छात्रों को बधाई दी।

स्वामी श्रद्धानंद कॉलोनी में सीवर व सफाई संकट, लोगों में भारी रोष

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजधानी के स्वामी श्रद्धानंद कॉलोनी, भवस्वा डेरी क्षेत्र में नालियों की सफाई और सीवर व्यवस्था को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्र में जलभराव, गंदगी और दुर्गंध की समस्या लगातार बनी हुई है। मंगल बाजार गली नंबर 07 के आसपास लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं होने के कारण गलियों में गंदा पानी जमा है। इससे लोगों के आवागमन में बाधा आ रही है और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से संक्रामक रोगों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समस्या के समाधान के लिए कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

आरोप है कि शिकायतों को संबंधित कर्मचारियों को सौंपे जाने के बावजूद न तो मौके पर कार्य किया गया और न ही शिकायतकर्ताओं से संपर्क किया गया। कुछ मामलों में बिना वास्तविक कार्यवाही के तस्वीरें अपलोड कर समस्या के समाधान का दावा कर दिया गया, जबकि जमीनी स्थिति जस की तस बनी हुई है। क्षेत्र में कई स्थानों पर नालियां कचरे से पूरी तरह जाम हैं और सीवर के ढक्कन खुले पड़े हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। साथ ही, टूटी और असमान सड़कों ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। हालात ऐसे हैं कि कुछ स्थानीय लोग खुद सफाई करने को मजबूर हैं। इस संबंध में उमेश कुमार सिंह ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि नालियों की सफाई, सीवर ढक्कनों की मरम्मत और सड़कों के समतलीकरण का कार्य प्राथमिकता पर कराया जाए। उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है।

मुंगेशपुर हत्याकांड का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले की पुलिस ने मुंगेशपुर हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इंद्रजीत उर्फ सुस्सा, सागर और मोंटी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार यह मामला बावाना क्षेत्र में एक खेत में मिले एक व्यक्ति के सड़े-गले शव से जुड़ा हुआ है। बाद में मृतक की पहचान प्रदीप के रूप में हुई, जो आरोपियों का परिचित बताया जा रहा है। घटना के बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की और विभिन्न पहलुओं पर काम किया।

बाहरी उत्तरी जिले के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीमों ने लगातार छापेमारी की और तकनीकी निगरानी का सहारा लिया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहे थे और दूसरों के मोबाइल फोन का उपयोग कर रहे थे, जिससे उन्हें पकड़ना चुनौतीपूर्ण हो गया था।

जांच के दौरान यह सामने आया कि मृतक प्रदीप आरोपियों के साथ मुंगेशपुर क्षेत्र में शराब पीने गया था, जिसके बाद वह लापता हो गया। बाद में उसका शव मिलने पर पुलिस ने व्यापक जांच अभियान चलाया।

पुलिस टीमों ने आरोपियों की गतिविधियों का पीछा करते हुए मुंबई और हरिद्वार तक उनकी लोकेशन का पता लगाया। अंततः सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने नरेला रेलवे स्टेशन के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान हत्या में प्रयुक्त ईंट को मुंगेशपुर के कृषि क्षेत्र से बरामद किया गया है, जबकि वारदात में प्रयुक्त स्कूटी को पानीपत से बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और अन्य पहलुओं की भी गहनता से पड़ताल की जा रही है।

दिल्ली में लूटपाट करने वाले बने हत्यारे: 48 घंटे की नॉन-स्टॉप कार्रवाई में तीन आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ, AATS और थाना कमला मार्केट की संयुक्त टीम ने एक सनसनीखेज ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए 48 घंटे की लगातार कार्रवाई में तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान योगेश (25),योगेश उर्फ रॉकी (24) और सोमेश (25) के रूप में हुई है। आरोपियों ने लूटपाट के दौरान एक TSR (ऑटो) चालक की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी थी।मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजवीर सिंह ने बताया कि 5 अप्रैल की सुबह करीब 5:31 बजे मिंटो रोड स्थित शिवाजी पार्क बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति के घायल अवस्था में पड़े होने की PCR कॉल मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति को खून से लथपथ हालत में पाया, जिसके गर्दन और सीने पर कई गंभीर चोटें थीं। घायल को तुरंत LNJP अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में थाना कमला मार्केट में FIR नंबर 96/2026, धारा 103(1) BNS के तहत केस दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल स्टाफ, और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और लोकल इंटेलिजेंस के जरिए आरोपियों की पहचान की। जांच के दौरान सामने आया कि पांच आरोपी निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से TSR में बैठे थे और उनकी गतिविधियों को दिल्ली से फरीदाबाद होते हुए पलवल तक ट्रैक किया गया।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे पलवल से रात में ट्रेन से दिल्ली आते थे और रेलवे स्टेशन व बस अड्डों के आसपास यात्रियों को निशाना बनाते थे। लूटपाट के बाद वापस ट्रेन से पलवल लौट जाते थे। घटना की रात भी आरोपियों ने TSR चालक को कनॉट प्लेस चलने के बहाने बैठाया और कुछ दूरी पर लूटपाट की कोशिश की। विरोध करने पर चालक को चाकू से कई वार कर हत्या कर दी और शव को मिंटो ब्रिज के पास फेंक दिया।

खून से सने कपड़े, हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद गया गया, इस मामले में दो अन्य आरोपी सोनू और विक्रम अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड है और वे नशे की लत को पूरा करने के लिए इस तरह की वारदातों को अंजाम देते थे।

संपादकीय

ट्रंप की फिसलती जुबान

अमेरिका में पिछले कुछ सौ सालों में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व राष्ट्रपति हुआ हो। ट्रंप ने अपने पिछले कुछ बनायों में अधीरता के साथ अपने व्यापारिक बुद्धि का भी परिचय दिया। प्रायः यह देखने को मिला है कि बयान देते समय वह संयम व गरिमा का प्रयोग नहीं करते। अमेरिका-इस्त्राइल युद्ध के चरम के बीच सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने जिन कटु शब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी मानसिकता को ही दर्शाता है। युद्ध के दौरान उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई। इस दौरान अमेरिकी नागिरकों में भी अपने राष्ट्रपति के प्रति रोष देखा गया। ट्रंप की इन हरकतों पर वहां के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या लोकतंत्र के हित में है। निश्चित रूप से होर्मुज को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के उतावलेपन के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। विश्व की महाशक्ति के राष्ट्रपति द्वारा ऐसी अशोभनीय भाषा का प्रयोग घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। अपने बड़बोलेपन के कारण उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने की बजाय, उसे देश की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने के लिए उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी रणनीति में लगातार असफल हो रहे है। वह इस युद्ध को मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार बताने से भी नहीं कतराते है। जिसमें सैकड़ो सालों तक ईसाई और मुसलमान आपस में एकाधिकार के लिये युद्ध करते रहे हैं। ट्रंप ने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तमाल किया। वह ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जेट के पायलट के बचाव को 'ईस्टर का चमत्कार' बताने से भी पीछे नहीं हटे। इससे स्पष्ट होता है कि पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना एक बचकाने बयान से कम नहीं है। उनके इस बयान के बाद अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई के दौरान किया जा सकता है। सांसदों की यह चेतावनी मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है। निश्चित रूप से ट्रंप की ऐसी बयानबाजियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिका को चुकानी पड़ सकती है। दुनिया की सबसे शक्तिशाली देश के राष्ट्रपति होने के नाते,उन्हें यह जरूर समझना चाहिए कि उनके बेतुके बयान से अमेरिकी विदेशी नीति को काफी नुकसान होगा। ऐसे में धर्म को हथियार बनाने का उनका प्रयास घोर हताशा को दिखाता है। यह इस बात की भी पुष्टि करता है कि अमेरिकी जनता ने अपात्र व्यक्ति को देश चलाने का जिम्मा सौंपा है।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम से पूरे विश्व को आशा

सौरभ वार्ष्णेय

पश्चिम एशिया लंबे समय से संघर्ष, तनाव और अस्थिरता का केंद्र रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने न केवल क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाला, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर असर डाला है। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्धविराम की पहल निस्संदेह एक सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम है।सबसे पहले, यह युद्धविराम मानवता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध में सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। जान-माल की हानि, विस्थापन और भय का वातावरण—ये सब युद्ध के दुष्परिणाम हैं। युद्धविराम से कम-से-कम इस पीड़ा को कुछ हद तक कम करने का अवसर मिलता है।दूसरे, यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। मध्य पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है। यदि अमेरिका और ईरान जैसे शक्तिशाली देश संयम दिखाते हैं, तो इससे अन्य देशों को भी संवाद और कूटनीति का मार्ग अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।आर्थिक दृष्टि से भी यह युद्धविराम राहत लेकर आता है।

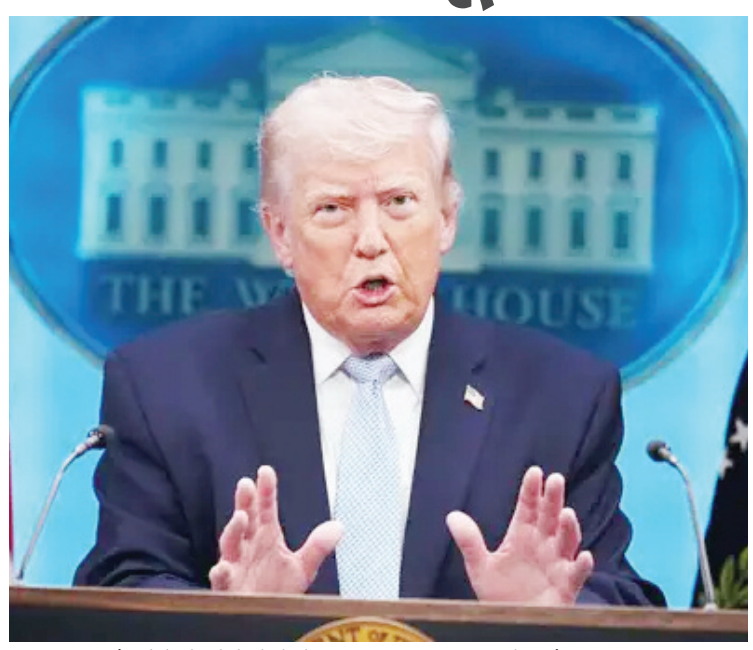

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम न सिर्फ इन दोनों देशों के लिए, बल्कि पूरे विश्व के लिए राहत भरी खबर है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव लंबे समय से वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बना हुआ था।सबसे पहले, युद्धविराम से क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा मिलेगा। मध्य-पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है, और ऐसे में किसी बड़े युद्ध का टलना लाखों लोगों की जान बचा सकता है। साथ ही, यह इजरायल जैसे देशों के लिए भी राहत की स्थिति पैदा करेगा, जो इस तनाव से सीधे प्रभावित होते हैं। दूसरा, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। युद्ध के दौरान तेल की कीमतों में तेजी आती है, जिससे भारत जैसे तेल आयातक देशों पर बोझ बढ़ता है। युद्धविराम से तेल बाजार में स्थिरता आएगी और महंगाई पर नियंत्रण में मदद मिलेगी।तीसरा, यह कूटनीतिक प्रयासों की जीत भी मानी जाएगी। यदि बातचीत और समझदारी से विवाद सुलझते हैं, तो यह दुनिया के अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण बनेगा कि संघर्ष का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि संवाद है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि युद्धविराम स्थायी शांति की गारंटी नहीं होता। जब तक दोनों पक्ष अपने मतभेदों के मूल कारणों को दूर नहीं करते, तब तक तनाव दोबारा बढ़ सकता है। अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक सकारात्मक कदम है, जो न केवल तत्काल संकट को टालता है, बल्कि विश्व शांति और स्थिरता की दिशा में उम्मीद की किरण भी जगाता है।

पश्चिम एशिया लंबे समय से संघर्ष, तनाव और अस्थिरता का केंद्र रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव ने न केवल क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाला, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर असर डाला है। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्धविराम की पहल निस्संदेह एक सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम है।सबसे पहले, यह युद्धविराम मानवता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। किसी भी युद्ध में सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। जान-माल की हानि, विस्थापन और भय का वातावरण—ये सब युद्ध के दुष्परिणाम हैं। युद्धविराम से कम-से-कम इस पीड़ा को कुछ हद तक कम करने का अवसर मिलता है।दूसरे, यह कदम क्षेत्रीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। मध्य पूर्व पहले ही कई संघर्षों से जूझ रहा है। यदि अमेरिका और ईरान जैसे शक्तिशाली देश संयम दिखाते हैं, तो इससे अन्य देशों को भी संवाद और कूटनीति का मार्ग अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।आर्थिक दृष्टि से भी यह युद्धविराम राहत लेकर आता है। युद्ध की स्थिति में तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव होता है, जिसका सीधा प्रभाव भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ता है। युद्धविराम से वैश्विक बाजारों में स्थिरता आने की उम्मीद बढ़ती है, जिससे आम जनता पर महंगाई का दबाव कम हो सकता है।हालांकि, यह समझना भी आवश्यक है कि युद्धविराम केवल पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। स्थायी शांति के लिए दोनों देशों को आपसी विश्वास बहाली, संवाद और कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करना होगा। अतीत में कई बार समझौते हुए, लेकिन अविश्वास और राजनीतिक हितों के कारण वे टिक नहीं सके। इसलिए इस बार दोनों पक्षों को गंभीरता और प्रतिबद्धता दिखानी होगी।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम एक आशा की किरण है। यह दर्शाता है कि संवाद और समझदारी के जरिए बड़े से बड़े विवाद को भी सुलझाया जा सकता है। अब जरूरत इस बात की है कि इस अवसर को स्थायी शांति में बदला जाए, ताकि पूरी दुनिया एक अधिक सुरक्षित और स्थिर भविष्य की ओर बढ़ सके।

पश्चिम एशिया में लंबे समय से जारी तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की खबर वैश्विक स्तर पर राहत का संदेश लेकर आई है। विशेष रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य का खुलना अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस मार्ग के बाधित होने से तेल की कीमतों में उछाल, आपूर्ति संकट और आर्थिक अस्थिरता जैसी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। ऐसे में इसके पुनः खुलने से न केवल तेल बाजार में स्थिरता आएगी, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा।

भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह राहत और भी महत्वपूर्ण है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिसमें पश्चिम एशिया की भूमिका अहम है। हॉर्मुज के सुचारू संचालन से भारत को तेल की आपूर्ति में सहजता होगी और महंगाई पर भी नियंत्रण संभव हो सकेगा। इससे आम जनता को अप्रत्यक्ष रूप से राहत मिलेगी। हालांकि, यह युद्धविराम स्थायी शांति की गारंटी नहीं है। क्षेत्र में जटिल भू-राजनीतिक समीकरण, आपसी अविश्वास और बाहरी शक्तियों के हित अब भी तनाव को भड़का सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि दोनों देश संवाद और कूटनीति के रास्ते को प्राथमिकता दें। यह युद्धविराम एक अवसर है—न केवल तनाव कम करने का, बल्कि स्थायी शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने का। यदि इस मौके का सही उपयोग किया जाए, तो न केवल पश्चिम एशिया, बल्कि पूरी दुनिया एक अधिक स्थिर और सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ सकती है।

कमजोर वर्गों के लिए बनी योजनाएं भविष्य के विकास का आधार

– डॉ. सत्यवान सौरभ

कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं को अक्सर 'भेदभावपूर्ण' कहकर आलोचना की जाती है। पहली नज़र में यह तर्क आकर्षक लग सकता है कि जब सरकार कुछ खास वर्गों को लक्षित करके लाभ देती है, तो यह बाकी लोगों के साथ अन्याय है। लेकिन जब इस बात को गहराई से समझा जाता है, तो स्पष्ट होता है कि यह सोच सामाजिक न्याय की मूल भावना को चुनौती देती है। भारत जैसे देश में, जहाँ लंबे समय से जाति, आर्थिक और सामाजिक असमानताएँ जड़ें जमाए हुए हैं, ऐसी योजनाएँ केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता हैं, और साथ ही यह संविधान द्वारा निर्धारित जिम्मेदारी भी हैं।

भारतीय समाज की ऐतिहासिक संरचना ने कुछ वर्गों को विशेषाधिकार दिए, जबकि कुछ वर्गों को निरंतर वंचना और भेदभाव का सामना करना पड़ा। सदियों से चली आ रही इस असमानता ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सम्मान से दूर रखा। ऐसे में यदि राज्य केवल 'समान व्यवहार' की नीति अपनाता, तो यह असमानता और गहरी हो जाती। इसलिए संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि समानता का वास्तविक अर्थ सबको समान स्थिति में लाना है, न कि केवल समान नियम लागू करना।

इसी संदर्भ में संविधान का अनुच्छेद 46 विशेष महत्व रखता है, जो राज्य को यह निर्देश देता है कि वह कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा दे तथा उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाए। यह प्रावधान यह स्पष्ट करता है कि लक्षित योजनाएँ किसी प्रकार का पक्षपात नहीं, बल्कि न्याय की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम हैं। यही 'सकारात्मक भेदभाव' या 'affirmative action' की अवधारणा है, जो ऐतिहासिक असमानताओं की भरपाई करने का प्रयास करती है।

इन योजनाओं का प्रभाव केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति इसका प्रमाण है। जहाँ पहले कमजोर वर्गों की साक्षरता दर बहुत कम थी, वहीं आज इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। छात्रवृत्ति योजनाओं, आवासीय विद्यालयों और विशेष शैक्षिक कार्यक्रमों ने लाखों बच्चों को स्कूल और उच्च शिक्षा तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया है। इसी प्रकार, ग्रामीण रोजगार योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और कौशल विकास कार्यक्रमों ने आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी इन योजनाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को न केवल आय के साधन मिले हैं, बल्कि उन्होंने सामाजिक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। इससे परिवार और समाज दोनों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। यह दर्शाता है कि लक्षित योजनाएँ केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे सामाजिक बदलाव का माध्यम भी बनती हैं। हालाँकि, इन योजनाओं को लेकर विवाद भी कम नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि जब किसी विशेष वर्ग को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह अन्य वर्गों के साथ अन्याय है। उदाहरण के लिए, कई बार आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग का व्यक्ति केवल इसलिए किसी योजना का लाभ नहीं ले पाता क्योंकि वह निर्धारित श्रेणी में नहीं आता। इससे 'रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन' की भावना उत्पन्न होती है, जो सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकती है।

यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है, लेकिन यह अधूरा अवश्य है। यह इस तथ्य को नजरअंदाज करता है कि सभी व्यक्ति समान परिस्थितियों में जन्म नहीं लेते। कुछ लोग ऐसे सामाजिक और आर्थिक परिवेश में पले-बढ़े होते हैं जहाँ उन्हें बेहतर शिक्षा, संसाधन और अवसर मिलते हैं, जबकि कुछ लोग अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में जीवन की शुरुआत करते हैं। ऐसे में, यदि दोनों को समान अवसर दिए जाएँ, तो परिणाम समान नहीं होंगे। इसलिए, समानता को वास्तविक रूप देने के लिए असमान लोगों के साथ अलग व्यवहार करना आवश्यक हो जाता है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में कई कमियाँ हैं। भ्रष्टाचार, लाभ का असमान वितरण और पारदर्शिता की कमी जैसी समस्याएँ इनकी प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। कई बार देखा गया है कि जिन लोगों को इन योजनाओं की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, वे इससे वंचित रह जाते हैं, जबकि अपेक्षाकृत सक्षम लोग इसका लाभ उठा लेते हैं। 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा इसी समस्या को दूर करने के लिए लाई गई थी, लेकिन इसे सभी वर्गों में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया है।

इसके अतिरिक्त, बदलते समय के साथ समाज की समस्याएँ भी बदल रही हैं। आज शहरी क्षेत्रों में गरीबी का स्वरूप अलग है, जहाँ विभिन्न जातियों के लोग समान आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में केवल जाति के आधार पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है। नीतियों को अधिक समावेशी और बहुआयामी बनाना होगा, जिसमें आर्थिक स्थिति, शिक्षा और क्षेत्रीय असमानताओं को भी ध्यान में रखा जाए।

सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—पारदर्शिता और सटीकता। लाभार्थियों की पहचान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। आधार-आधारित सत्यापन, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से योजनाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सकता है। इसके साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी और स्वतंत्र ऑडिट भी आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके। निजी क्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों को योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल करने से उनकी प्रभावशीलता और भी बढ़ सकती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं की समझ अधिक गहरी होती है।

अंततः, यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई योजनाएँ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं, बल्कि न्याय की स्थापना का माध्यम हैं। ये योजनाएँ उस ऐतिहासिक असमानता को दूर करने का प्रयास हैं, जिसने समाज के एक बड़े वर्ग को लंबे समय तक अवसरों से वंचित रखा। यदि इन्हें समाप्त कर दिया जाए, तो यह केवल असमानता को और गहरा करेगा तथा सामाजिक असंतुलन को बढ़ावा देगा। अंबेडकर का सपना केवल राजनीतिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता भी उसका अभिन्न अंग था। 'एक व्यक्ति, एक वोट' के साथ 'एक व्यक्ति, एक अवसर' की अवधारणा को साकार करने के लिए इन योजनाओं का अस्तित्व अनिवार्य है।

हनुमानजी के 5 स्वरूपों की पूजा से होगी अलग अलग मनोकामना पूरी

कहते हैं कलियुग में समस्त दुखों का नाश महज हनुमानजी की आराधना से हो जाता है। बैकुंठ जाते वक्त मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने परम भक्त हनुमान को इसी उद्देश्य से धरती पर रहने का आदेश दिया था। ऐसी मान्यता है कि कलियुग में हनुमानजी की पूजा से न सिर्फ घर की बाधा दूर होती है, बल्कि बिगड़े काम भी बन जाते हैं। हम आपको हनुमानजी की उपासना से जुड़ी कुछ अहम बातें बता रहे हैं। विद्वानों के अनुसार, हनुमानजी के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करने पर अलग-अलग फलों की प्राप्ति होती है। जानिए हनुमानजी के विभिन्न स्वरूप और उनकी पूजा से मिलने वाले शुभ फल और उनके लाभ।

धर्मकर्म

सेवक हनुमान - हनुमानजी के इस स्वरूप की पूजा करने पर परिवार और कार्य स्थल पर सभी बड़ों का विशेष स्नेह प्राप्त होता है। सेवक हनुमान के स्वरूप में भगवान राम के चरणों में हनुमानजी बैठे हुए हैं और श्रीराम उन्हें आशीर्वाद दे रहे हैं। इस स्वरूप की पूजा करने पर मन में कार्य और रिश्तों के प्रति सेवा और समर्पण की भावना जागृत होती है।

भक्त हनुमान- भक्त हनुमान स्वरूप में हनुमानजी श्रीराम की भक्ति में लीन दिखाई देते हैं। इस स्वरूप की पूजा करने पर लोगों को कार्यों में सफलता मिलती है, साथ ही एकाग्रता और शक्ति प्राप्त होती है।

सूर्यमुखी हनुमान - विद्या, मान-सम्मान और उन्नति की चाहत अगर आप रखते हैं तो प्रतिदिन सूर्यमुखी हनुमानजी की उपासना करें, क्योंकि सूर्यदेव को हनुमान जी का गुरु कहा जाता है। कहते हैं सूर्य, प्रकाश और गति के प्रतीक हैं। इस तरह सूर्यमुखी हनुमान की आराधना से ज्ञान और कार्यों में गति भी प्राप्त होती है।

वीर हनुमान - नाम के अनुरूप हनुमानजी के इस स्वरूप की उपासना करने से बल, पराक्रम और साहस की प्राप्ति होती है। वीर हनुमान स्वरूप की पूजा मात्र से आत्मविश्वास चेहरे पर नजर आता है। साथ ही आपके साहस के आगे शत्रु नतमस्तक हो जाएंगे।

दक्षिणमुखी हनुमान - दक्षिणमुखी हनुमान प्रतिमा की पूजा करने पर मृत्यु, भय और चिंताएं समाप्त होती हैं। हनुमानजी की जिस प्रतिमा का मुख दक्षिण दिशा की ओर होता है।

आज का इतिहास

1868 - इथियोपिया में ब्रिटिश और भारतीय सेना ने टेवॉड्रोज द्वितीय (Tewodros II) की सेना को हराया और इस युद्ध में 700 इथियोपियन मारे गये, जबकि सिर्फ दो ब्रिटिश-भारतीय सैनिक शहीद हुए।
1875 - स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्यसमाज की स्थापना की।
1912 - टाइटैनिक ब्रिटेन के साउथेप्टन बंदरगाह से अपनी पहली और आखिरी यात्रा पर रवाना हुआ।
1916 - पहले गोल्फ टूर्नामेंट का प्रफेशनल तरीके से आयोजन।
1917 - महात्मा गांधी ने बिहार में 10 अप्रैल, 1917 को 'चंपारण सत्याग्रह' की शुरुआत की।
1930 - पहली बार सिंथेटिक रबर का उत्पादन हुआ।
1972 - ईरान में भूकंप से करीब 5 हजार लोगों की मौत।
1972 - जैविक हथियारों पर के विकास, उत्पादन और भंडारण पर जैविक हथियार संधि के जरिए रोक लगा दी गई। इसपर 150 से ज्यादा देशों ने हस्ताक्षर किए।
1973 - पाकिस्तान ने संविधान में संशोधन कर जुल्फिकार अली भुट्टो को राष्ट्रपति के स्थान पर प्रधानमंत्री बनाया।
1982 - भारत के बहुउद्देशीय उपग्रह इनसेट- 1 ए का सफल प्रक्षेपण।
1988 - पाकिस्तान के रावलपिंडी और इस्लामाबाद के बीच घनी आबादी वाले एक इलाके में सेना के शस्त्र भंडार में आग लगने से जान माल का भारी नुकसान हुआ। कम से कम 90 लोगों की मौत। एक हजार से ज्यादा घायल।
1998 - उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य समझौता सम्पन्न।
1998 - उत्तरी आयरलैंड में कैथोलिक एवं प्रोटेस्टेंटों के मध्य समझौता सम्पन्न।
1999 - भारत और पाकिस्तान के दो शीर्ष औद्योगिक संघों ने भारत-पाकिस्तान चैम्बर्स आफ़ कामर्स का विधिवत गठन किया।
2000 - पाकिस्तान को निर्गुट संगठन से निकालने का भारत का प्रस्ताव गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में मंजूर।
2001 - भारत व ईरान के बीच तेहरान घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर।
2003 - इराक पर अमेरिका का कब्ज़ा।

रील संस्कृति में बढ़ रही साहित्यिक 'कंटेंट' की भरमार

– डॉ. प्रियंका सौरभ

डिजिटल युग ने अभिव्यक्ति के स्वरूप को अभूतपूर्व गति और विस्तार दिया है। आज हर व्यक्ति के हाथ में एक मंच है—एक ऐसा मंच, जहाँ वह अपनी बात तुरंत लाखों लोगों तक पहुँचा सकता है। यह लोकतंत्रीकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। परंतु हर शक्ति के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। दुर्भाग्यवश, इस जिम्मेदारी का संतुलन कई बार बिगड़ता हुआ दिखाई देता है, विशेषकर तब जब उद्देश्य अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि केवल लोकप्रियता रह जाता है। रील संस्कृति इसी असंतुलन का एक प्रमुख उदाहरण है। कुछ सेकंड के वीडियो में प्रभाव पैदा करने की होड़ ने अभिव्यक्ति को त्वरित, संक्षिप्त और कई बार सतही बना दिया है। साहित्य, जो मूलतः धैर्य, गहराई और चिंतन की मांग करता है, वह इस त्वरित उपभोग की संस्कृति में स्वयं को असहज महसूस कर रहा है। अधूरी पंक्तियाँ, संदर्भहीन उद्धरण और बनावटी भाव—ये सब मिलकर साहित्य को एक "उत्पाद" में बदल रहे हैं, जिसका उद्देश्य केवल ध्यान आकर्षित करना है।

आज "वायरल होना" ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस मानसिकता ने सृजन की प्रक्रिया को प्रभावित किया है। लेखक अब यह सोचकर लिखता है कि क्या यह सामग्री लोगों को तुरंत आकर्षित करेगी, न कि यह कि क्या यह विचार समाज के लिए सार्थक है। परिणामस्वरूप, गहराई की जगह चटकपन और संवेदना की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। यह प्रवृत्ति न केवल साहित्य के साथ अन्याय है, बल्कि समाज के बौद्धिक स्तर को भी प्रभावित करती है। साहित्य का मूल उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं है। वह समाज का दर्पण है, जो उसकी वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है और उसके अंतर्विरोधों को उजागर करता है। कबीर ने अपने दोहों के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया, तुलसीदास ने आस्था और मर्यादा का संदेश दिया, प्रेमचंद ने समाज के यथार्थ को उजागर किया और महादेवी वर्मा ने संवेदनाओं की सूक्ष्मता को शब्द दिए। इन सभी रचनाकारों की कृतियाँ समय की कसौटी पर इसलिए खरी उतरीं क्योंकि उनमें गहराई, ईमानदारी और सामाजिक प्रतिबद्धता थी।

इसके विपरीत, आज का एक बड़ा वर्ग साहित्य को केवल प्रस्तुति का माध्यम मान बैठा है। शब्दों की सुंदरता से अधिक महत्व उनके प्रदर्शन को दिया जा रहा है। रील्स में प्रस्तुत की जाने वाली कविताएँ कई बार न तो मौलिक होती हैं और न ही उनमें कोई गहन भाव होता है। वे केवल इस उद्देश्य से बनाई जाती हैं कि दर्शक कुछ क्षणों के लिए आकर्षित हों और "लाइक" या "शेयर" कर दें। रील संस्कृति का एक और चिंताजनक पहलू है—अभिव्यक्ति की शालीनता में गिरावट। भाषा का स्तर, उच्चारण की स्पष्टता और प्रस्तुति की गरिमा—ये सभी तत्व किसी भी साहित्यिक अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण अंग होते हैं। लेकिन जब इनकी अनदेखी की जाती है, तो साहित्य का स्वरूप विकृत हो जाता है। कई बार तो स्थिति यह होती है कि मूल रचना का भाव ही पूरी तरह बदल जाता है। परिधान और दृश्यात्मक प्रस्तुति को लेकर भी बहस तेज हो गई है। यह स्वीकार करना होगा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन हर अधिकार के साथ मर्यादा और जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब साहित्य जैसे गंभीर विषय को प्रस्तुत किया जाता है, तो उसमें एक संतुलन और शालीनता अपेक्षित होती है। दुर्भाग्यवश, कई बार यह संतुलन केवल दर्शकों का ध्यान खींचने की कोशिश में खो जाता है, जिससे साहित्य की गंभीरता प्रभावित होती है।

हालाँकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम इस पूरी स्थिति को एकांगी दृष्टिकोण से न देखें। सोशल मीडिया ने कई ऐसे प्रतिभाशाली रचनाकारों को मंच दिया है, जो पारंपरिक प्रकाशन व्यवस्था तक नहीं पहुँच पाते थे। आज छोटे-छोटे शहरों और गाँवों से भी लोग अपनी रचनाएँ साझा कर रहे हैं और पहचान बना रहे हैं। यह एक सकारात्मक परिवर्तन है, जिसे नकारा नहीं जा सकता।

दरअसल, समस्या माध्यम में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। रील्स भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती हैं, यदि उनका उपयोग सार्थक साहित्य प्रस्तुत करने के लिए किया जाए। कुछ रचनाकार इस दिशा में अच्छा कार्य भी कर रहे हैं—वे संक्षिप्तता में भी गहराई बनाए रखते हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। यह दर्शाता है कि यदि नीयत सही हो, तो कोई भी माध्यम साहित्य के प्रसार का सशक्त उपकरण बन सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएँ। हमें न तो रील संस्कृति को पूरी तरह खारिज करना चाहिए और न ही उसे बिना किसी आलोचना के स्वीकार करना चाहिए। इसके बजाय, हमें यह समझने की जरूरत है कि किस प्रकार इस माध्यम का उपयोग साहित्य के उत्थान के लिए किया जा सकता है।

शिक्षा संस्थानों की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि छात्रों को प्रारंभ से ही साहित्य की गहराई और उसकी सामाजिक भूमिका के बारे में जागरूक किया जाए, तो वे केवल सतही सामग्री से प्रभावित नहीं होंगे। साहित्यिक संगठनों और मंचों को भी चाहिए कि वे डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए गुणवत्ता युक्त सामग्री को बढ़ावा दें और रचनाकारों को सही दिशा प्रदान करें। इसके साथ ही, दर्शकों और पाठकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब तक दर्शक सतही सामग्री को बढ़ावा देते रहेंगे, तब तक उसका उत्पादन भी जारी रहेगा। यदि वे गुणवत्ता और गहराई को प्राथमिकता देंगे, तो स्वाभाविक रूप से रचनाकार भी उसी दिशा में प्रयास करेंगे।

अंततः, यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है—रचनाकारों, दर्शकों, शिक्षकों और समाज के प्रत्येक जागरूक व्यक्ति की। हमें यह तय करना होगा कि हम साहित्य को क्षणिक लोकप्रियता की भेंट चढ़ाना चाहते हैं या उसे उसकी गरिमा और गहराई के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। रील संस्कृति को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसे दिशा दी जा सकती है। यदि हम सजग रहें और संतुलन बनाए रखें, तो यही माध्यम साहित्य के प्रसार का एक प्रभावी साधन भी बन सकता है। साहित्य केवल शब्दों का संयोजन नहीं है; यह समाज की चेतना, उसकी संवेदनाओं और उसके मूल्यों का प्रतिबिंब है। यदि यह प्रतिबिंब धुंधला पड़ जाएगा, तो समाज की सोच भी अस्पष्ट हो जाएगी। इसलिए यह समय है सजग होने का, साहित्य की गरिमा को पहचानने का और उसे डिजिटल युग में भी उसी सम्मान के साथ आगे बढ़ाने का, जिसका वह हकदार है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

पंचभूतों का संतुलन ही पर्यावरण का असली रक्षक : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी नागरिक को पंचभूतों के पवित्र संतुलन को समझना जरूरी है। राष्ट्रपति को आज राष्ट्रपति भवन में 'वृक्ष वेदाम 2.0' नामक पुस्तक भेंट की गई। इस पुस्तक के लेखक पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार हैं।

यह अवसर भारत की प्राचीन पर्यावरणीय चेतना और आधुनिक हरित आंदोलन के संगम का प्रतीक बना। इस पुस्तक का मुख्य उद्देश्य यह बताना है कि भारत की प्राचीन वेद-उपनिषद परंपरा में छिपा पर्यावरणीय ज्ञान आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। यह ज्ञान आज की आधुनिक पर्यावरणीय समस्याओं का प्रभावी समाधान पेश करता है। उन्होंने वर्तमान समय को अमृत काल (अवसरों का स्वर्ण युग) और आपद काल (संकट का समय) दोनों बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि मानवता आज लालच और अति उपभोग के कारण प्रकृति से दूर होती जा रही है और पंचभूतों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी के पवित्र संतुलन को भूल रही है। हर मनुष्य इन पंचभूतों से निर्मित है और अंततः इन्हीं में विलीन होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ अपने इस गहरे संबंध को समझें और 'आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता' के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। मुर्मु ने इस पुस्तक में उल्लिखित पंक्ति लाइफ फ्लोरिशेस ओनली व्हेन द अर्थ इज ग्रीन (धरती पर हरियाली ही जीवन का आधार है) का उल्लेख करते हुए आशा व्यक्त की कि ग्रीन इंडिया चैलेंज देशभर में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा।

इस अभियान के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में लगभग 19.6 करोड़ अंतर्गत कई उल्लेखनीय पहल की गई हैं। इनमें तेलंगाना में आरक्षित वनों का पुनरुद्धार, पश्चिम बंगाल के सुंदरबन में 20 हजार मैंग्रोव पौधों का रोपण और कोटि वृक्षार्चना (एक करोड़ वृक्षों की पूजा) कार्यक्रम शामिल हैं। इस मौके पर सांसद केआर सुरेश रेड्डी, वद्दिराजु रविचंद्र, सांसद बी. पार्थसारथी रेड्डी, पूर्व सांसद एवं ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक जोगिनपल्ली संतोष कुमार, इग्नाइटिंग माइंड्स ऑर्गनाइजेशन के संस्थापक एम. करुणाकर रेड्डी, ग्रीन इंडिया चैलेंज के सह-संस्थापक संजीवुला राघवेंद्र सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि ग्रीन इंडिया चैलेंज की शुरुआत 17 जुलाई 2018 को 'हरा है तो भरा है' के संदेश के साथ हुई थी। यह अभियान पौधारोपण किया गया है, जो अभूतपूर्व है। उन्होंने आह्वान है कि प्रत्येक नागरिक प्रकृति के साथ अपने अटूट संबंध को पहचाने और पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। अभियान के तेलंगाना सरकार के 'हरित हरम' कार्यक्रम से प्रेरित है, जिसकी शुरुआत 2015 में की गई थी। हैदराबाद से शुरू हुआ यह अभियान आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुका है, जिसमें आम नागरिकों से लेकर उद्योगपति, राजनेता और फिल्मी हस्तियां भी सक्रिय हैं।

विश्व शांति के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप प्रासंगिक: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब विश्व के विभिन्न हिस्सों में अपने विचारों को स्थापित करने के लिए संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, ऐसे समय में समस्त मानवता के कल्याण के लिए नवकार मंत्र का सामूहिक जाप अत्यंत सार्थक और प्रासंगिक है।

उन्होंने कहा कि आज विश्व को शांति, सौहार्द और आपसी समझ की आवश्यकता है, जिसे इस प्रकार के आध्यात्मिक प्रयासों के माध्यम से सशक्त किया जा सकता है। गृह मंत्री गुरुवार को यहां आयोजित 'विश्व नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विविध धर्मों और संप्रदायों का देश है, जहां प्रत्येक परंपरा में मंत्रों की विशेष महत्ता और आध्यात्मिक शक्ति का वर्णन मिलता है। अमित शाह ने कहा कि मंत्र मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। हमारे चैतन्य को जागृत करते हैं और शुभ संकल्पों को दृढ़ बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि जब श्रद्धा और एकाग्रता के साथ लोग सामूहिक रूप से एक ही मंत्र का जाप करते हैं, तो उसका प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज, राष्ट्र और पूरे विश्व पर सकारात्मक रूप से पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और सिद्धों ने पीढ़ियों तक तप और साधना करके ऐसे मंत्रों की रचना की है, जो समस्त मानवता के कल्याण के लिए हैं।

इन मंत्रों को केवल श्रद्धा से स्वीकार करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना भी आवश्यक है। गृह मंत्री ने नवकार मंत्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पूर्णतः निराकार, निरपेक्ष और सार्वभौमिक प्रार्थना है, जिसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं है। यह मंत्र किसी विशेष जाति, धर्म, क्षेत्र या काल तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए समान रूप से उपयोगी है। यही कारण है कि इस प्रकार की समावेशी प्रार्थना विश्व में अत्यंत दुर्लभ है। अमित शाह ने बताया कि नवकार मंत्र में 'नमो' शब्द का अर्थ पूर्ण समर्पण है, जो साधक को अहंकार त्यागने और आत्मशुद्धि की दिशा में अग्रसर करता है। नमन करने की प्रक्रिया से ही व्यक्ति के भीतर अहंकार का क्षय प्रारंभ हो जाता है और वह आत्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है।

उन्होंने 'अरिहंत' की व्याख्या करते हुए कहा कि अरिहंत वह होता है, जो अपने आंतरिक शत्रुओं जैसे क्रोध, मान, माया और लोभ पर विजय प्राप्त कर लेता है। ऐसे व्यक्ति को जैन शास्त्रों में उच्चतम स्थान दिया गया है। इसी प्रकार 'सिद्ध' वह आत्मा है, जो जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त होकर पूर्ण अवस्था को प्राप्त कर लेती है।

तेलंगाना के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी बीआरएस में होंगे शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री टी. जीवन रेड्डी अब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होंगे। गुरुवार दोपहर बाद जगतियाल में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) से मिलने के तुरंत बाद कांग्रेस नेता जीवन रेड्डी ने अपने अगले राजनीतिक जीवन का ऐलान कर दिया। टी. जीवन रेड्डी ने कांग्रेस के साथ अपने 42 साल के रिश्ते को तोड़ते हुए गत 25 अप्रैल को इस्तीफा दे दिया था। उनकी नाराजगी पार्टी नेतृत्व से थी।

रेड्डी का कहना था कि कांग्रेस पार्टी में पुराने नेताओं को उपेक्षित-अपमानित किया जा रहा है और दल बदलुओं को प्रश्रय मिल रहा है। जीवन रड्डी ने आज बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर से मुलाकात के बाद बीआरएस ओं शामिल होने की घोषणा कर दी है। माना जा रहा है कि जीवन रेड्डी 13 अप्रैल को बड़ी आम सभा में समर्थकों के साथ बीआरएस में शामिल हो सकते हैं। गुरुवार को बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव से मुलाकात से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया। तेलंगाना के वरिष्ठ राजनीतिक नेता और जगतियाल से 6 बार के विधायक रहे टी जीवन रेड्डी ने कहा है कि आगामी चुनावों में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की हार तय है। जीवन रेड्डी ने पूर्ववर्ती केसीआर सरकार की सराहना करते हुए कहा कि बीते 10 वर्षों का बीआरएस शासन, वर्तमान कांग्रेस सरकार के दो वर्षों के कार्यकाल से बेहतर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हर क्षेत्र में विफल रही है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि आगामी चुनावों में बीआरएस जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी करेगी।

अब तक अपने राजनीतिक कदम को लेकर चुप्पी साधे रहे जीवन रेड्डी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने बीआरएस में शामिल होने का निर्णय ले लिया है। बीआरएस नेता केटीआर से मुलाकात के बाद जीवन रेड्डी के समर्थकों ने जय तेलंगाना और जय केसीआर के साथ ही कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

ज्वाइंट डिमॉन्स्ट्रेशन मॉकड्रिल का हुआ आयोजन

गाजियाबाद। सिविल डिफेंस हिंडन गाजियाबाद के द्वारा सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के प्रांगण में ज्वाइंट डिमॉन्स्ट्रेशन मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिसमे फर्स्ट एड, फायर एवं रेस्क्यू का मॉकड्रिल कर प्रदर्शन किया गया। जिसमें एयर अटैक, भूकंप, आग जनी बहु मंजिली इमारत से कैजुअलिटी को दिखाया गया।

सबसे पहले बेहोश व्यक्ति को फायर मैन लिफ्ट के द्वारा उतारा गया उसके उपरांत स्लाइडिंग स्ट्रेचर इन वन लेडर किया गया। मोनो लाइन के तहत रीढ के हड्डी टूटे हुए व्यक्ति को नीचे उतारा गया। हींज प्रक्रिया के तहत घायल को उतारा गया।

उसके उपरांत पेट्रोल से लगे हुए आग को बुझाया गया। बड़ी आगजनी को फायर विभाग के द्वारा बुझाया गया साथ ही फर्स्ट एड के तहत घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देकर नजदीक अस्पताल में भेजा गया। कार्यक्रम मुख्य रूप से अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप के मार्गदर्शन एवं चीफ वार्डन ललित जायसवाल,ए डी सी नेम सिंह के नेतृत्व डिविजनल वार्डन ए के जैन, ए के ठाकुर के देखरेख में किया गया। इस प्रकार का प्रदर्शन कोई भी आपदा में बचाव और जान माल की कोई नुकसान न हो बचाव की विधि आमजनमानस को जानकारी रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ए डी सी नेम सिंह,डिविजनल वार्डन ए के ठाकुर, ए के जैन,सुधीर कुमार, रवि अग्रवाल, राजेन्द्र शर्मा, मंजूर हसन, अशोक कुमार,रमन सक्सेना, घटना नियंत्रण अधिकारी नीतिश कुमार

सिंह,तुषार शर्मा, नागेंद्र शामल, विनोद शर्मा, गुलाम रसूल,कार्यालय सहायक किशोरी लाल,महेश कुमार, याकूब डबास, विकाश कपूर, विजेन्द्र सिंह, आशिक अली, अरुण कुमार, गीता तोमर, दीपक अग्रवाल,सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सरिता कॉल, जनरल मैनेजर पंकज खन्ना, अनुपम त्यागी, रजत गर्ग, दर्पण पठान, ए जी एम हेमंत दुबे, अनुराग अग्रवाल डी जी एम विकाश त्यागी मनोज सैनी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ ने दिल्ली एयरपोर्ट पर किया एंटी-हाइजैकिंग अभ्यास

नई दिल्ली। देश में किसी भी आतंकी हमले की स्थिति में खुद को तैयार रखने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई हड्डे (आईजीआई) पर वार्षिक एंटी-हाइजैकिंग अभ्यास किया। इस अभ्यास का नेतृत्व डीआईजी बाबू राम ने किया और इसमें वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

सीआईएसएफ ने एक्स पोस्ट में बताया कि इस अभ्यास में एनएसजी, दिल्ली पुलिस, आईबी, बीसीएएस, डीजीसीए, डायल, एयरपोर्ट फायर टीम, मेडिकल टीमें और एयरलाइंस ने भाग लिया।

सीआईएसएफ की क्विक रिएक्शन टीम, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने मिलकर त्वरित कार्रवाई का प्रदर्शन किया। इस तरह के अभ्यास से सभी एजेंसियों के बीच तालमेल और तैयारी की जांच होती है। इसमें देखा जाता है कि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षा बल कितनी तेजी से प्रतिक्रिया देते हैं, मेडिकल टीमें कितनी जल्दी मौके पर पहुंचती हैं और एयरपोर्ट संचालन से जुड़ी अन्य एजेंसियां किस तरह सहयोग करती हैं।

नितिन गडकरी ने छत्रपति शिवाजी के बहुआयामी संग्रहालय का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में स्थित छत्रपति शिवाजी भवन में एक 'बहुआयामी संग्रहालय' का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम में दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी भी मौजूद रहे। इस मौके पर नितिन गडकरी ने छत्रपति शिवाजी महाराज भवन में अपने संबोधन में शिवाजी को आदर्श राजा, आदर्श पिता, आदर्श पुत्र

और आदर्श प्रशासक बताया। उन्होंने कहा कि वह सभी आदर्शों से परिपूर्ण थे। गडकरी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित यह संग्रहालय आधुनिक तकनीक के उपयोग से बनाया गया है।

जनगणना-2027 की तैयारियां तेज, रांची में 70 फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण शुरू

रांची। जनगणना-2027 के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ)' के सफल संचालन के लिए रांची जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में गुरुवार से 70 फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।

समाहरणालय के बी-ब्लॉक स्थित कक्ष संख्या 505 में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त सह प्रधान जिला जनगणना पदाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने की। प्रशिक्षण में जिला के मास्टर ट्रेनर्स एवं जनगणना कार्य निदेशालय, झारखंड की टीम द्वारा प्रतिभागियों को सीएमएमएस पोर्टल और मोबाइल ऐप

के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए फील्ड ट्रेनर्स को 35-35 के दो बैचों में विभाजित किया गया है। पहले बैच का प्रशिक्षण 9, 10 और 11 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसमें नगड़ी, मांडर, राहे, सोनाहातु, कांके, बुण्डू, बेड़ों, तमाड़, बुढमू और लपुंग प्रखंडों के प्रतिभागी शामिल हैं। वहीं दूसरे बैच का प्रशिक्षण 13, 15 और 16 अप्रैल को आयोजित होगा, जिसमें चान्हो, सिल्ली, रातु, खलारी, ओरमांझी, नामकुम, इटकी, अनगड़ा तथा नगर पंचायत बुण्डू के ट्रेनर्स भाग लेंगे।

दोनों बैचों के पहले दिन संबंधित चार्ज पदाधिकारी भी प्रशिक्षण में शामिल रहेंगे। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने इस मौके पर कहा कि जनगणना-2027 देश की एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो विकास योजनाओं के निर्माण और नीति निर्धारण के लिए आधारभूत आंकड़े उपलब्ध कराती है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को निर्देश दिया कि वे प्रशिक्षण के दौरान सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और अपने-अपने क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करें। प्रशिक्षण सत्र में मकान सूचीकरण, मकानों की गणना, डिजिटल डेटा संग्रहण, सीएमएमएस पोर्टल एवं हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन मोबाइल ऐप के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर, गणनाकारों और पर्यवेक्षकों को आगे प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जनगणना कार्य पूरी तरह से डिजिटल, सटीक और समय-सीमा के भीतर संपन्न हो सकेगा। इस मौके पर एसडीओ कुमार रजत, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, डीएसओ शेषनाथ बैठा, सहायक निदेशक रविशंकर मिश्रा सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र के बारामती उपचुनाव से कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार का नाम वापस लिया

मुंबई। महाराष्ट्र के बारामती विधान सभा उपचुनाव से कांग्रेस ने आज गुरुवार को अपने उम्मीदवार का नाम वापस ले लिया। नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन यह घोषणा की गई, जिससे अब इस चुनाव के निर्विरोध होने की संभावना बन गई है।हालांकि अभी कई निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

खास बात यह रही कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेताओं के बार-बार अनुरोध के बावजूद निर्णय न लेने वाले कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के एक फोन के बाद यह फैसला ले लिया गया। इसके बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सपकाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घोषणा की कि कांग्रेस बारामती उपचुनाव से अपना उम्मीदवार वापस ले रही है। आज सुबह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हर्षवर्धन सपकाल से बात की थी। इसके बाद सपकाल ने

तुरंत दिल्ली में पार्टी नेतृत्व से संपर्क कर राज्य के सभी दलों की भावनाएं हाईकमान तक पहुंचाईं। फिर उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घोषणा की कि कांग्रेस बारामती उपचुनाव से अपना उम्मीदवार का नाम वापस ले रही है।

इसी दौरान बीड दौरे पर मौजूद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सपकाल ने अच्छा निर्णय लिया है। बारामती उपचुनाव निर्विरोध हो, इसके लिए मैंने उन्हें सुबह ही फोन किया था। तभी से मुझे विश्वास था कि वे जरूर सकारात्मक निर्णय लेंगे। इस फैसले के बाद अब बारामती उपचुनाव के निर्विरोध होने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। वहीं पवार परिवार की ओर से भी लगातार कोशिशें जारी थीं।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले और विधायक रोहित पवार ने भी इस दिशा में सक्रिय प्रयास किए। लेकिन दिल्ली स्थित कांग्रेस नेतृत्व से अनुमति न मिलने के कारण प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल कोई निर्णय नहीं ले पा रहे थे, जिससे चुनाव निर्विरोध होगा या नहीं, इस पर संशय बना हुआ था।

गौरतलब है कि अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद खाली हुई बारामती विधानसभा सीट पर उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से नामांकन दाखिल किया है। महाराष्ट्र की परंपरा के अनुसार किसी व्यक्ति के निधन के बाद उसके परिवार का सदस्य उपचुनाव लड़ रहा हो तो अन्य दल आमतौर पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारते। इसी परंपरा को ध्यान में रखते हुए अधिकांश राजनीतिक दल चाहते थे कि यह चुनाव निर्विरोध हो। हालांकि, कांग्रेस ने शुरुआत में बारामती से उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया था और इस उपचुनाव के लिए आकाश मोरे को टिकट दिया था। चुनाव को निर्विरोध बनाने के लिए महायुति के कई वरिष्ठ नेता प्रयासरत थे।

एक दिन में आपूर्ति हुए 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर : सुजाता शर्मा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में एलपीजी की सप्लाई स्थिर बनी हुई है। बुधवार को 51 लाख से ज्यादा सिलेंडर आपूर्ति किए गए हैं। साथ ही कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है।

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने गुरुवार को अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता में बताया कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच एलपीजी की लगभग 60 फीसदी जरूरत आयात पर निर्भर है, जिससे इसकी उपलब्धता प्रभावित हुई है। इसे संभालने के लिए घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है, जिससे घरों के लिए 100 फीसदी सप्लाई सुनिश्चित हो सके और डिस्ट्रीब्यूटरों के पास किसी भी तरह की कमी की रिपोर्ट न हो। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी तक

और ओटीपी आधारित डिलीवरी 92 फीसदी तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई लगभग 70 फीसदी तक बहाल कर दी गई है, जिसमें मुख्य क्षेत्रों के लिए थोक सप्लाई भी शामिल है।

शर्मा ने कहा कि 14 मार्च से अब तक करीब एक लाख टन गैस सप्लाई की गई है, जिसमें कल सप्लाई किए गए 6,700 टन भी शामिल हैं। यह लगभग 3.5 लाख 19 किलो वाले गैस सिलेंडरों के बराबर है। सुजाता शर्मा ने बताया कि 5 किलो वाले रसोई गैस सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ा दी गई है। 23 मार्च से अब तक 10 लाख से ज्यादा सिलेंडर बेचे जा चुके हैं, जबकि कल 1.06 लाख सिलेंडर बेचे गए।

उन्होंने कहा कि 2,000 से ज्यादा जागरूकता शिविर आयोजित किए गए हैं, जिनमें 20,000 सिलेंडर वितरित किए गए। शर्मा ने बताया कि उर्वरक संयंत्रों को प्राकृतिक गैस की सप्लाई बढ़ाकर 95 फीसदी कर दी गई है, जबकि सीजीडी कंपनियां प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को पूरी सप्लाई सुनिश्चित कर रही हैं। लगभग 3.97 लाख पीएनजी कनेक्शन चालू किए गए हैं, जबकि 4.3 लाख उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराया है और 18,000 से ज्यादा एलपीजी कनेक्शन वापस किए गए हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने बताया कि बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय मिशनों के साथ मिलकर स्थिति पर सक्रिय रूप से नजर रख रहा है।

उत्तर प्रदेश के बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना प्राथमिकता: योगी

देश के हथकरघा निर्यात में उत्तर प्रदेश का लगभग 9.27 प्रतिशत योगदान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी को गुरुवार हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं। उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है,

जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ये क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित हो। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है।

उन्होंने 'डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' तथा 'डिजाइन हाउ/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस' जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बड़े बाजारों तक पहुंच और बुनकरों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्रांडिंग के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने पॉवरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए बेहतर प्रयासों की जरूरत भी बताई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस संबंध में हतकरघा विभाग और पॉवर कॉर्पोरेशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की विद्युत लागत में कमी आएगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बुनकर समुदाय राज्य की समृद्ध परंपरा, रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अतः ऐसी संतुलित, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए, जिससे बुनकरों को वास्तविक राहत मिले, उद्योग को नई गति मिले और प्रदेश की पारंपरिक बुनकरी को सशक्त आधार प्राप्त हो सके। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी मंत्री राकेश सचान के अलावा विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

नवकार महामंत्र जैन धर्म की आध्यात्मिक परम्परा का प्रतीक : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। विश्व नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर गुरूवार को जन भवन के गांधी सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि नवकार महामंत्र आध्यात्मिक जागृति, अहिंसा और आस्था का मूल आधार है। यह महामंत्र जैन धर्म की महान आध्यात्मिक परम्परा का प्रतीक है, जो मानव जीवन में शांति, संयम, करूणा एवं सदभाव का संदेश देता है।

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहाँ हम सम्पूर्ण मानवता व सबके कल्याण की कामना करते हैं। अपने यहां कोई भी आयोजन होता है तो सम्पूर्ण विश्व का कल्याण हो। यह उदघोष किया जाता है। जैन, बुद्ध व सिख परम्परा के लोग हों सबने सबके कल्याण की कामना की है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब पूरे विश्व में तनाव व युद्ध का महौल है, उस समय भारत की एक ऐसी धरती है, जहां शांति के लिए आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि हम सब एकजुट होकर आगे बढ़ें तो निश्चित रूप से लक्ष्य प्राप्त करेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। विकसित भारत बनाने का लक्ष्य है कि गरीब आदमी भी अमीर बने। जो अभावग्रस्त हैं उनका अभाव दूर हो। आज हम धैर्य व शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हमारे पास नरेन्द्र मोदी जैसा नेतृत्व है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में रामलला के जन्मस्थान को विदेशी आक्रान्ताओं ने तोड़ दिया था , आज वहां भव्य राम मंदिर बनकर तैयार है। 370 अनुच्छेद को हटाने का काम मोदी सरकार ने किया।

हम शांति के पक्षधर हैं लेकिन कायर नहीं हैं। आज देश निरंतर आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार सबका साथ सबका विश्वास के साथ काम कर रही है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह वीरेन्द्र जायसवाल, प्रान्त प्रचारक कौशल, पूर्व मंत्री डा.महेन्द्र सिंह, प्रदीप जैन, अनीता जैन, संजीव जैन, पवन जैन, अमिता जैन व रिषभ जैन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा का घर-घर संपर्क अभियान, गंगा घाट पर सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे हर घर संपर्क अभियान के तहत गुरुवार को भाजपा नेता व पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने रूखड़घाट वार्ड में जनसंपर्क किया।

इस दौरान उन्होंने गंगा घाट की सफाई कर स्वच्छता का संदेश भी दिया। जनसंपर्क के दौरान मनोज जायसवाल ने केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सरकार ने अपने कार्यकाल में गरीबों को आवास, आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज, कोविड काल में मुफ्त राशन, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं के माध्यम से जनकल्याण के कई कार्य किए हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मूल मंत्र पर कार्य कर रही है और हर परिस्थिति में जनता के साथ खड़ी है। कार्यक्रम में पश्चिमी मंडल अध्यक्ष नितिन विश्वकर्मा, रामआसरे सरोज, पूर्व सभासद विनोद मौर्य, सभासद धीरज सोनकर, बाबूराम गुप्ता, ओम प्रकाश मौर्य सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला मित्र व उसके बेटे का हत्या का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में लहचूरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों महिला मित्र और उसके मासूम बेटे की निर्मम हत्या करने वाले हत्यारोपित की बुधवार देर रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

एसपी ग्रामीण डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि लहचूरा थाना क्षेत्र के ग्राम बरौठा में 5 अप्रैल को ग्राम प्रधान रामप्रसाद ने सड़क किनारे एक महिला का शव पड़े होने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए और जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतका की पहचान नीलू देवी निवासी गुड़गांव के रूप में हुई, जो अपने तीन वर्षीय पुत्र कृष्णा के साथ ग्राम बरौटा निवासी चतुर्भुज उर्फ दीपक पटेल से पिछले 6 माह से संपर्क में थी और दोनों के बीच संबंध थे। मृतक महिला नीलू का पति गुजरात में काम करता था। 1 अप्रैल को दीपक उसे गुड़गांव से अपने साथ लेकर बरौटा आया था। 2 अप्रैल की रात दोनों के बीच विवाद हुआ, जब नीलू ने अपने पति के पास वापस जाने की बात कही तो नाराज दीपक ने गुस्से में कुल्हाड़ी से नीलू के सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी। शोर सुनकर जागे मासूम कृष्णा को भी आरोपित ने नहीं बख्शा और उसे भी मौत के घाट उतार दिया।

हत्या के बाद आरोपित ने दोनों शवों को छिपाने का प्रयास किया। 4 अप्रैल की रात वह शवों को बाइक से ले जाकर महिला का चेहरा पत्थर से कुचलकर शव सड़क किनारे फेंक आया, जबकि बच्चे के शव को भूसे के ढेर में छिपा दिया और जब महिला नीलू की लाश बरामद हुई तो साक्ष्य मिटाने के लिए भूसे के ढेर में आग लगाकर बच्चे के शव को जला दिया।

एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देश पर गठित टीम ने सर्विलांस के जरिए आरोपित की तलाश शुरू की। देर रात नहर के पास पुलिस और स्वाट टीम का सामना आरोपी से हो गया। खुद को घिरता देख उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसमें एक गोली लहचूरा थानाध्यक्ष सरिता मिश्रा की बुलेटप्रूफ जैकेट में जा लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे घायल कर दबोच लिया। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक, तमंचा, कारतूस और 2 मोबाइल फोन बरामद किये गए हैं। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जिलाधिकारी ने किया जिला पूर्ति कार्यालय का निरीक्षण, कई कर्मचारी नदारद मिले

बरेली। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने गुरुवार को जिला पूर्ति कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। कई कर्मचारियों के गैरहाजिर मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि सरकारी दफ्तरों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपस्थिति की जांच के बाद जिलाधिकारी ने कार्यालय में चल रहे कामकाज का भी जायजा लिया। अधिकारियों से फाइलों की स्थिति, लंबित मामलों और जनता से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के बारे में जानकारी ली। कुछ मामलों में काम की धीमी गति देखकर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को फटकार लगाई और निर्देश दिए कि लंबित कार्य जल्द निपटाए जाएं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में कई जगह गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी दफ्तर जनता की सेवा के लिए हैं और काम में ढिलाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे किसी भी अनियमितता या लापरवाही पर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नमामि गंगे ने गंगा तट पर मेरी गंगा - मेरी जिम्मेदारी का दिया संदेश

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गुरुवार को सदानीरा मां गंगा के तट पर 'मेरी गंगा - मेरी जिम्मेदारी' के स्वर गूंजे। नमामि गंगे के स्वयंसेवी सदस्यों ने दशाश्वमेध घाट पर सफाई करके संदेश दिया कि सच्चा भक्त वही है जो केवल गंगा में आकर स्नान करने या पूजा करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि गंगा की पवित्रता और स्वच्छता को बनाए रखने का संकल्प भी अपने जीवन का हिस्सा बनाता है।

इसलिए सच्ची भक्ति यही है कि हम गंगा को प्रदूषित न करें, उसमें

कचरा न डालें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने कहा कि जब हर श्रद्धालु गंगा को माँ मानकर उसकी सफाई और संरक्षण का जिम्मा उठाएगा, तभी हमारी आस्था वास्तव में सार्थक होगी। श्रमदान और जागरूकता के दौरान पुष्पलता वर्मा, बीना गुप्ता, अनिल कपूर, सीमा सचदेव एवं शाश्वत सचदेवा भी मौजूद रहे।

पति के मुफ्त इलाज का झांसा देकर पत्नी से तीन लाख के जेवर ठगे, टप्पेबाज महिला गिरफ्तार

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर के स्वरूप नगर स्थित हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी) में भर्ती एक पुरुष मरीज की पत्नी को मुफ्त इलाज का झांसा देकर एक महिला ने बहला-फुसलाकर करीब तीन लाख रुपये के जेवर ठग लिए। घटना के सदमे में भर्ती मरीज (पति) की मौत हो गई।

पुलिस ने करीब तीन सौ सभी ज्यादा सीसीटीवी फुटेजों के माध्यम से गुरुवार को आरोपित महिला को गिरफ्तार कर उसके पास से सभी

जेवर बरामद कर लिए हैं। पुलिस उपायुक्त मध्य अतुल कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को बताया मूलरूप से फतेहपुर के रहने वाले वाली जगदेई ने बताया कि उनके पति शिव मोहन को पांच अप्रैल को कार्डियोलॉजी में भर्ती कराया था। अगले दिन यानी छह अप्रैल को उनके पास एक महिला आई जिसने पति का मुफ्त में इलाज करने की बात कही और अपनी बातों में बहला फुसलाकर करीब तीन लाख की कीमत के पहने हुए जेवर उतरवा लिए।

इसके बाद मौके से फरार हो गई। ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने स्वरूप नगर थाने में अज्ञात महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। उधर पति की इलाज के दौरान मौत भी हो गयी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास लगे करीब 300 से भी ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तभी मुखबिर की सूचना पर आरोपित महिला के पास से सभी जेवरों की बरामदगी के साथ हैलट अस्पताल के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। टप्पेबाज महिला की पहचान शुक्लागंज पोनी रोड निवासी अनीता उर्फ गुड्डी के रूप में हुई। शातिर महिला की क्रिमनल हिस्ट्री है। इस तरह की घटनाऐं वह पहले भी कर चुकी है।

हालांकि उससे पूछताछ जारी है उसके खिलाफ अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं

11 तक कर लें IPMC पोर्टल पर पंजीकरण नहीं तो निरस्त होगा कीटनाशी लाइसेंस

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में संचालित सभी कीटनाशी विक्रेताओं के लिए आईपीएमसी(IPMS) पोर्टल पर पंजीकरण कराना अब अनिवार्य कर दिया गया है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने गुरुवार को इस संबंध में स्पष्ट किया है कि पंजीकरण के लिए 11 अप्रैल तक अंतिम अवसर दिया गया है।

इसके बाद भी जिन विक्रेताओं ने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया, उनका कीटनाशी लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी के अनुसार भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन प्रणाली (Integrated Pesticide Management System) पोर्टल का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत सभी कीटनाशी विक्रेताओं का

ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। विभाग की ओर से पहले भी कई बार पत्र जारी कर विक्रेताओं को आईपीएमएस पोर्टल पर पंजीकरण कराने के निर्देश दिए जा चुके हैं। कार्यालय से 4 जुलाई 2025, 20 नवंबर 2025, 24 मार्च 2026 और 30 मार्च 2026 को पत्र जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में विक्रेताओं ने अभी तक पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है। इसे देखते हुए अब अंतिम चेतावनी जारी की गई है। विभाग ने कहा है कि सभी विक्रेता 11 अप्रैल 2026 तक हर हाल में अपना पंजीकरण पूरा कर लें। तय समय सीमा के बाद बिना पंजीकरण वाले विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी। पंजीकरण के लिए विक्रेताओं को IPMS पोर्टल की वेबसाइट पर जाकर होम पेज में Login/Register विकल्प पर क्लिक करना होगा। इसके बाद Sign Up कर नया रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना होगा। फर्म से संबंधित जानकारी भरने के बाद आईडी बन जाएगी, जिसे विभागीय स्तर पर अप्रूव किया जाएगा। यदि किसी विक्रेता को पंजीकरण में समस्या आती है तो वह जिला कृषि रक्षा अधिकारी कार्यालय में कीटनाशी लाइसेंस पटल सहायक से संपर्क कर सकता है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, तीन घायल

बागपत। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत के खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में दिल्ली–देहरादून कॉरिडोर पर गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ईंट ढोने वाला ट्रक अज्ञात वाहन से टकरा गया। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक मृतक युवक बागपत जिले का निवासी है। मृतकों की पहचान आरिफ (निवाड़ा) और मुनफेद (सहारनपुर) के रूप में हुई है। ये दोनों ईंट ढोने वाले ट्रक पर काम करते थे। जानकारी मिली है कि ट्रक दिल्ली से ईंट खाली कर वापस बागपत लौट रहा था, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। घटना खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सुखदरिया दरी में डूबे युवक का शव बरामद, SDRF ने निकाला

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में अहरौरा थाना क्षेत्र के सुखदरिया दरी जलप्रपात में बुधवार को डूबे वाराणसी के युवक का शव गुरुवार को बरामद कर लिया गया। सब इंस्पेक्टर रजत कुमार गोंड के नेतृत्व में पहुंची एसडीआरएफ टीम ने गुरूवार दिन में करीब 11 बजे गहरे पानी से शव को बाहर निकाला।

इसके बाद अहरौरा पुलिस के एसआई रामदरश यादव ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान सन्नी (25) पुत्र सलीम निवासी चौरहट पड़ाव, वाराणसी के रूप में हुई है, जो पेशे से ऑटो चालक था। सन्नी बुधवार को अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने सुखदरिया दरी आया था। पहले सभी लिखनिया दरी जाने वाले थे, लेकिन वहां बंद होने के कारण

सुखदरिया दरी पहुंच गए। नहाने और घूमने के दौरान सन्नी कुंडनुमा गहरे पानी के पास गया और फिसलकर डूब गया। साथियों के अनुसार काफी देर तक वापस न आने पर उसकी तलाश की गई, लेकिन पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। देर शाम तक पुलिस व स्थानीय गोताखोरों ने खोजबीन की, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। अगले दिन एसडीआरएफ टीम ने शव बरामद किया। थाना प्रभारी अजय कुमार मिश्र ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आरसीबी व रॉयल्स के मुकाबले में सबकी नजरें टॉप बल्लेबाजों पर

गुवाहाटी। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरूआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी। दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है। आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिये 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई इस सत्र में भी उन्होंने पहले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 29 गेंद में 50 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 गेंद में 61 रन बनाये कप्तान रजत पाटीदार और आस्ट्रेलिया के टिम डेविड मध्यक्रम को मजबूती देते हैं आरसीबी के गेंदबाजों ने भी इस सत्र में प्रभावित किया है जैकब डफी ने जोश हेजलवुड की कमी पूरी की है तो बीच के ओवरों में कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा ने रन रोके हैं। वहीं रॉयल्स इस सत्र में सबसे आक्रामक बल्लेबाजी ईकाई के रूप में सामने आई है जिसका श्रेय जायसवाल और सूर्यवंशी को जाता है। दोनों ने टीम को शानदार शुरूआत देकर विरोधी गेंदबाजों को दबाव में ला दिया है सूर्यवंशी ने पिछले मैच में जसप्रीत बुमराह को पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने बेखौफ खेल का फिर परिचय दिया था रॉयल्स के गेंदबाज भी रणनीति पर अमल करने में कामयाब रहे हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

मैच का समय : शाम 7.30 से

डेविड मिलर की मंशा में कमी नहीं निकाल सकते : गावस्कर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के रोमांचक मैच में एक रन लेने से इनकार करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर का बचाव करते हुए कहा कि उनकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते। जीत के लिये 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को दो गेंद में दो रन की जरूरत थी लेकिन आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर मिलर ने एक रन लेने से इनकार कर दिया। वह आखिरी गेंद पर चूके लेकिन एक रन के लिये भागे लेकिन जोस बटलर के थ्रो पर कुलदीप यादव रन आउट हो गए। गावस्कर ने 'जियो हाटस्टार' से कहा ,'' डेविड मिलर बहुत अच्छा खेल रहा था और उसे खुद पर भरोसा था कि वह मैच फिनिश करेगा। उसकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते। प्रसिद्ध कृष्णा ने एक शानदार धीमा बाउंसर डाला जिसे वह खेल नहीं सका। दबाव के हालात में ऐसा हो जाता है।'' क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर ने कहा कि दबाव के हालात में मैच की स्थिति को लेकर चौकस रहना काफी अहम है जो भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1986 में टाई रहे मैच में दिखाई थी। चेन्नई में उस मैच में भारत 348 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था। शास्त्री ने नाबाद 48 रन बनाये और सही समय पर एक रन लेकर भारत को 347 रन तक पहुंचाया जबकि आखिरी गेंद पर मनिंदर सिंह आउट हो गए। वह मैच ड्रॉ रहा। गावस्कर ने कहा ,'' इसी समय पर मैच के हालात को लेकर जागरूक रहना जरूरी है। मुझे इससे रवि शास्त्री का वह एक रन याद आता है जो 1986 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने सही समय पर लेकर स्कोर बराबर कर दिया था।' इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान की तारीफ की जिन्होंने गुजरात के लिये चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लिये। उन्होंने कहा ,'' राशिद खान ने जबर्दस्त गेंदबाजी की। लेकिन एक ईकाई के रूप में गुजरात की गेंदबाजी उतनी अच्छी नहीं थी लेकिन खेल में ऐसा होता है।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में आयुष क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय हारे

निंगबो। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए लेकिन पी वी सिंधू महिला एकल में हारकर बाहर हो गई। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने 20वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के चि यू जेन को 21 . 16, 21 . 12 से हराया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। भारत के बाकी खिलाड़ियों के लिये बृहस्पतिवार का दिन निराशाजनक रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झियि ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21 . 18, 21 . 8 से हराया। कंधे की चोट से उबरकर वापसी करने वाले एच एस प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 21 . 12, 21 . 19 से मात दी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया के चेन तांग जी ओर तो ई वेइ ने 21 . 13, 21 . 14 से हराया।

डीसी के खिलाफ स्लो ओवर रेट के चलते शुभमन गिल पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान शुभमन गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। उनके खिलाफ यह कार्रवाई बुधवार रात दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के चलते की गई है। आईपीएल मीडिया एडवाइजरी के मुताबिक दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 14वें मैच के दौरान गुजरात टीम की ओवर-रेट धीमी रही। चूंकि आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (जो न्यूनतम ओवर-रेट से जुड़े उल्लंघनों से संबंधित है) के तहत इस सीजन में उनकी टीम का यह पहला उल्लंघन था, इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मैच की बात करें, तो गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स को एक रन से मात देते हुए आईपीएल 2026 में अपनी पहली जीत हासिल की। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 210 रन बनाए थे।

खोई लय हासिल कर ली है, टेस्ट में भविष्य को लेकर ज्यादा उम्मीद नहीं : राशिद खान

नई दिल्ली। राशिद खान का मानना है कि उन्होंने आखिरकार अपनी खोई लय हासिल कर ली है जिसके लिये वह 2023 में कमर के आपरेशन के बाद से जूझ रहे थे। टी20 क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शुमार राशिद पिछले आईपीएल सत्र में गुजरात टाइटंस के लिये 15 मैचों में नौ ही विकेट ले सके थे। इससे पहले 2024 में भी उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार को चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लेने वाले राशिद ने नीतिश राणा, समीर रिजवी और अक्षर पटेल को पवेलियन भेजा। गुजरात ने यह रोमांचक मुकाबला एक रन से जीता। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में राशिद ने कहा ,'' याद मत दिलाओ यार, बहुत बुरा सीजन था (2025)। लेकिन एक सत्र खराब होने के यह मायने नहीं है कि आप खत्म हो गए। यह लाइन और लैंग्थ के बारे में है।'' उन्होंने कहा ,'' पिछले साल इसकी कमी खली। इस बार मैं इसी पर फोकस कर रहा था। पिछले आईपीएल के बाद मैने अपनी फिटनेस पर काम किया था। सर्जरी के बाद कमर में तकलीफ थी लेकिन फिर ब्रिटेन में द हंड्रेड में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा।'' राशिद ने डॉक्टरों की सलाह अनसुनी करके 2023 वनडे विश्व कप खेला। उसके बाद उन्हें चलने में भी दिक्कत हो रही थी जिसकी वजह से आपरेशन कराना पड़ा। उन्होंने कहा ,'' सर्जरी के बाद जब मैने वापसी की तो कमर को लेकर काफी एहतियात बरत रहा था। इससे मेरे गेंदबाजी एक्शन और रिलीज पर फर्क पड़ा। मेरी लय चली गई। मैने तीन चार महीने धीमी गेंदबाजी की कोशिश की क्योंकि कमर में दर्द था। '' अब पूरी तरह से फिट होने के बावजूद राशिद ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट खेलना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा ,'' इस समय लाल गेंद का क्रिकेट खेलना मुश्किल लग रहा है। एक साल में एक टेस्ट ठीक है लेकिन ज्यादा नहीं खेल सकूंगा।

भारत एक परिपक्व लोकतंत्र होने के कारण मौजूदा वैश्विक स्थिति से निपटने में सक्षम: सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र की परिपक्वता, कूटनीति, विविधीकरण एवं निर्णायक कदम के दम पर भारत मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम रहा है। एआईएमए के एक कार्यक्रम में सिंधिया ने कहा कि भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत के तटों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा, '' मौजूदा अस्थिरता ने वैश्विक व्यवस्था को झटके लगे हैं। इन झटकों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित किया है और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ाया है।

साथ ही ऊर्जा बाजार भी बुनियादी रूप से प्रभावित हुए हैं। ऐसे माहौल में, जहां ऊर्जा हमारी रीढ़ है, भारत इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने में सक्षम रहा है।'' मंत्री ने कहा कि पिछले चार सप्ताह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक संगठित व्यवस्था तैयार की है, जिससे कठिन चुनौतियों का सामना किया जा सके और उन्हें अवसरों में बदला जा सके। सिंधिया ने कहा, '' आज भारत कई देशों के साथ संवाद स्थापित करने में सक्षम हुआ है। हमारे भारतीय जहाज आज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते हुए भारत के तटों तक पहुंच रहे हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि देश के सभी वर्ग इस अस्थिरता से सुरक्षित रहें। यह हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता, कूटनीति, विविधीकरण और निर्णायक क्रियान्वयन को दर्शाता है।'' दूरसंचार क्षेत्र पर सिंधिया ने कहा कि सरकार देश के हर गांव को ब्रॉडबैंड सेवा से जोड़ने के लिए 1.39 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है। इसका आधे से अधिक हिस्सा अगले 10 साल तक 'ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क' के रखरखाव पर खर्च होगा। उन्होंने कहा, '' देश में ब्रॉडबैंड क्षमता में 10 प्रतिशत वृद्धि के लिए भारत सरकार 1.39 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जिससे देश के हर गांव को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा सके। इसमें 45 प्रतिशत राशि पूंजीगत व्यय के लिए और 55 प्रतिशत राशि अगले 10 वर्षों तक फाइबर नेटवर्क के रखरखाव के लिए है।'' उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्ष या अगले दशक में अवसरों के रूप में 1.5 से दो लाख करोड़ डॉलर अतिरिक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जुड़ सकते हैं। संचार मंत्री ने कहा कि इंडिया पोस्ट की 1.6 लाख शाखाएं हैं और उनका मंत्रालय इस व्यापक नेटवर्क को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की बड़ी शक्ति में बदलने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में डाक विभाग के दो अंक में वृद्धि दर्ज करने की उम्मीद है। सिंधिया ने कहा, '' मुझे इस विभाग से गहरा लगाव है। 4.6 लाख ग्रामीण डाक सेवकों ने संकल्प किया है कि हम भारत सरकार के लिए केवल लागत केंद्र बने रहने के बजाय 2029-30 तक लाभ केंद्र बनने की दिशा में काम करेंगे।

एनसीएलएटी ने समाधान योजना से धन वितरण पर अपने पूर्व के आदेश को बरकरार रखा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने समाधान योजना से प्राप्त धनराशि के वितरण को चुनौती देने वाली इंडियन बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की संयुक्त याचिका खारिज कर दी। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) द्वारा अपनी व्यावसायिक समझ के आधार पर स्वीकृत समाधान योजना से प्राप्त धन के वितरण की व्यवस्था तथा उसके बाद एनसीएलटी का आदेश वैध, विधिसम्मत एवं बाध्यकारी है। पीठ ने कहा कि बोली प्रक्रिया पूरी होने के बाद गठित निगरानी समिति इस व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं कर सकती थी। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य इंदेवर पांडेय की पीठ ने कहा, '' हमारे विचार में प्रतिवादी संख्या-1 (एसबीआई) को किया गया भुगतान दिवाला संहिता की धारा 30(2)(बी) को धारा 53(1) के साथ पढ़ने पर पूरी तरह अनुरूप है। इसे सीओसी ने विधिवत मंजूरी दी और बाद में प्राधिकरण द्वारा धारा 30(4) के तहत स्वीकृत किया गया। इसमें किसी प्रकार की असमानता या अवैधता नहीं है।'' यह मामला ओसीएल आयरन एंड स्टील के दिवाला समाधान से जुड़ा है जिसके लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की कटक पीठ ने इंद्राणी पटनायक की बोली को मंजूरी दी थी। ओसीएल आयरन एंड स्टील के खिलाफ कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) सितंबर 2021 में शुरू हुई थी। दावों के संकलन के बाद नौ वित्तीय ऋणदाताओं की एक सीओसी गठित की गई जिनकी मतदान हिस्सेदारी इस प्रकार थी... एशिया ऑफर्च्युनिटीज (III) मॉरीशस लिमिटेड (36.22 प्रतिशत), आईसीआईसीआई बैंक (12.68 प्रतिशत), भारतीय स्टेट बैंक (10.39 प्रतिशत), इंडियन बैंक (10.32 प्रतिशत), यूको बैंक (9.82 प्रतिशत), बैंक ऑफ बड़ौदा (7.87 प्रतिशत), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (7.11 प्रतिशत), पंजाब नेशनल बैंक (0.63 प्रतिशत) और गणेश ओर्स (4.98 प्रतिशत)। इंद्राणी पटनायक की समाधान योजना को सीओसी ने 88.98 प्रतिशत बहुमत से मंजूरी दी थी और एनसीएलटी ने इसे 20 मार्च 2023 को स्वीकृत किया। इसके बाद योजना के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए एक समिति गठित की गई। हालांकि, निगरानी समिति की तीसरी और चौथी बैठकों में असहमति जताने वाले वित्तीय ऋणदाताओं को भुगतान के वितरण को लेकर सहमति नहीं बन पाई। इस बीच सफल समाधान आवेदक इंद्राणी पटनायक ने 15 मई 2023 को 35.20 करोड़ रुपये की राशि असहमति जताने वाले वित्तीय ऋणदाता के रूप में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हस्तांतरित की। इससे असंतुष्ट होकर एसबीआई ने एनसीएलटी में याचिका दायर कर निगरानी समिति की चौथी बैठक में तय वितरण को निरस्त करने का अनुरोध किया।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला ओम पावर का आईपीओ, 17 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में काम करने वाली कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन का 150.06 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 13 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 15 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 16 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 17 अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

ओम पावर ट्रांसमिशन के इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 166 रुपये से लेकर 175 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 85 शेयर का है। ने अपने कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर आठ रुपये के डिस्काउंट का भी ऐलान किया है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 85 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 1,105 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 150.06 करोड़ रुपये के कुल 85.759 लाख शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें 133 करोड़ रुपये के 75.75 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। आईपीओ खुलने से एक दिन पहले बुधवार को कंपनी ने मॉर्गन स्टैनले एशिया (सिंगापुर), क्राफ्ट एमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी-एलाइट कैपिटल फंड, क्राफ्ट एमर्जिंग मार्केट फंड पीसीसी-सिटाडेल कैपिटल फंड और सनराइज इंवेस्टमेंट ट्रस्ट- सनराइज इंवेस्टमेंट अपॉर्च्यूनिटीज फंड जैसे चार एंकर इनवेस्टर्स से प्रति शेयर 175 रुपये के भाव पर 25,72,270 शेयर के एवज में 45.01 करोड़ रुपये जुटाए। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों के विविधीकरण से नई चुनौतियां सामने आई: सीईओ टी वी नरेंद्रन

नई दिल्ली। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेंद्रन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के लिए ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच बढ़ाना अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इस बदलाव से नई चुनौतियां भी उत्पन्न हुई हैं। 'एआईएमए लीडरशिप कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नरेंद्रन ने ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के विविधीकरण को कई मायने में संवेदनशील करार दिया। उन्होंने कहा, '' चुनौती स्पष्ट है। हम ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोतों का विविधीकरण कर रहे हैं और हमें करना भी चाहिए। हालांकि यह विविधीकरण केवल आयात पर निर्भरता ही नहीं, बल्कि उन राजनीतिक संबंधों पर भी निर्भरता उत्पन्न करता है जो इन आयातों के प्रवाह को संभव बनाते हैं।'' ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के अध्यक्ष नरेंद्रन ने कहा कि इस दशक की शुरुआत कोविड-19 वैश्विक महामारी से हुई, जो एक बड़ा व्यवधान था और जिसने सरकारों को तेजी से कदम उठाने के लिए मजबूर किया। इससे विज्ञान में तेज प्रगति हुई और व्यवसायों तथा समाजों को परिस्थितियों के अनुसार ढलने और समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी के बाद कई झटके आए। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का टूटना, रूस-यूक्रेन संघर्ष और उससे ऊर्जा व जिंस बाजार में अस्थिरता, बढ़ती व्यापार बाधाएं, प्रौद्योगिकी नियंत्रण में सख्ती और हाल के पश्चिम एशिया संकट के कारण प्रमुख समुद्री मार्गों में बढ़ते व्यवधान। नरेंद्रन ने कहा कि भारत के लिए वास्तविक अवसर मौजूद है और विश्व जब विश्वसनीय साझेदारों, विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखलाओं एवं स्थिर विकास वाले बाजारों की तलाश कर रहा है, तब भारत अपनी स्थिति को काफी मजबूत कर सकता है। उन्होंने कहा, '' भारत के लिए अवसर केवल खुद निर्माण करने का ही नहीं बल्कि दुनिया को बेचने का भी है। असली परीक्षा इतनी क्षमता विकसित करने की है कि हम ऐसा कर सकें।'' भारत बड़े पैमाने पर सौर और पवन ऊर्जा, जलविद्युत, परमाणु ऊर्जा, जैव ईंधन, गैस और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को शामिल करते हुए ऊर्जा स्रोतों का सक्रिय रूप से विविधीकरण कर रहा है। इसके समानांतर भारत ने लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ खनिज सहित लगभग 30 खनिजों को महत्वपूर्ण के रूप में चिन्हित किया है। घरेलू खोज को बढ़ावा देने, खनन नियमों को सरल बनाने तथा विदेशों में अधिग्रहण एवं प्रसंस्करण क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन शुरू किया है। महत्वपूर्ण खनिज वे होते हैं जो आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, रक्षा प्रणालियों और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक के लिए। इनमें लिथियम, कोबाल्ट, दुर्लभ पृथ्वी तत्व, निकल, तांबा, ग्रेफाइट, गैलियम, जर्मेनियम, टाइटेनियम, टंग्स्टन जैसे धातु और अधातु शामिल हैं। इनका इस्तेमाल बैटरी, सौर पैनल, पवन टर्बाइन, सेमीकंडक्टर और उच्च क्षमता वाले चुंबक में होता है। ऊर्जा बदलाव और डिजिटलीकरण की दिशा में देशों के बढ़ते प्रयासों के कारण महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक मांग तेजी से बढ़ रही है।

ट्वीट और ओपन लेटर से मचाया हंगामा, हर मुद्दे पर खुलकर बोलीं स्वरा भास्कर

मुंबई। स्वरा भास्कर अपने बेबाक बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स के कारण अक्सर विवादों में रहीं। फिल्मों से ज्यादा उनके ट्वीट और ओपन लेटर ने सुर्खियां बटोरीं और उन्हें लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर का जन्म 9 अप्रैल 1988 को हुआ था। आज एक्ट्रेस अपना 38वां जन्मदिन मना रही है। स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने बेबाक बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। स्वरा ने जहां एक ओर अभिनय के जरिए पहचान बनाई, वहीं दूसरी ओर कई विवादों के चलते उन्हें अक्सर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। स्वरा भास्कर ने अपने करियर में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर औसत या फ्लॉप साबित हुईं। हालांकि, प्रेम रतन धन पायो और तनु वेड्स मनु रिटर्न्स जैसी बड़ी फिल्मों में उनकी भूमिका को सराहा गया। इसके बावजूद, उनकी पहचान एक ऐसी अभिनेत्री के रूप में बनी, जो बिना झिझक अपने विचार खुलकर रखती हैं। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म पठान के गाने 'बेशर्म रंग' को लेकर जब विवाद हुआ, तो स्वरा भास्कर ने खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक राजनेता पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं को अभिनेत्रियों के कपड़ों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम पर फोकस करना चाहिए। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी थी। स्वरा का एक और बयान उस वक्त चर्चा में आया जब उन्होंने हिजाब विवाद की तुलना महाभारत की द्रौपदी के चीरहरण से की। इस टिप्पणी को लेकर उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ा और सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया गया। फिल्म पद्मावत के रिलीज के बाद स्वरा भास्कर ने निर्देशक संजय लीला भंसाली को एक खुला पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने फिल्म के जौहर सीन पर सवाल उठाए। इस पत्र के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाओं और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा।

असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा अर्जुन

मुंबई। बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधरः द रिवेंज की सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को जीवंत किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने किरदारों के लिए बिल्कुल सही चेहरों का चयन किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान और मेकअप डिजाइनर प्रीति शील के काम की तारीफ करते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने कपड़ों और लुक के जरिए कहानी को और गहराई दी। सारा ने लिखा कि भले ही एक्टर्स को पोस्टर पर जगह मिलती है, लेकिन असल में सिनेमा की रीढ़ यही टीम होती है। इसके अलावा सारा ने म्यूजिक टीम, एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम के योगदान को भी सराहा।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' की कमाई में आई गिरावट

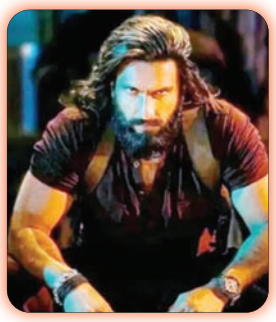

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है, लेकिन अब इसके कलेक्शन में गिरावट के संकेत मिलने लगे हैं। रिलीज के 21वें दिन फिल्म की कमाई पहली बार सिंगल डिजिट में पहुंच गई है, जिससे साफ है कि इसकी रफ्तार अब धीमी पड़ने लगी है। सैकनिल्क के अनुसार फिल्म ने 21वें दिन 7.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो अब तक का सबसे कम कलेक्शन है। इससे पहले 20वें दिन फिल्म ने 10.10 करोड़ और 19वें दिन 10 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बावजूद फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 1,041.27 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और इसने बाहुबली 2: द कन्क्लूजन के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया है। दुनियाभर में भी फिल्म का जलवा कायम है, जहां इसने अब तक 1,653.67 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। हालांकि अब इसे नई फिल्मों से चुनौती मिलने वाली है। खासतौर पर 'डकैत', जिसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष नजर आएंगे, 10 अप्रैल को रिलीज हो रही है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि 'डकैत' की एंट्री 'धुरंधर 2' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर कितना असर डालती है।

पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है : करुणा पांडे

मुंबई। अभिनेत्री करुणा पांडे का कहना है कि सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में उनका किरदार पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल एक भावनात्मक मोड़ लेने जा रहा है, जहाँ पुष्पा (करुणा पांडे) अपने जीवन के सबसे कठिन दौर का सामना करती दिखाई देंगी। ईमानदारी और हिम्मत के लिए जानी जाने वालीं पुष्पा अचानक एक ऐसे विवाद में फंस जाती हैं, जो उनकी पूरी पहचान और मूल्यों पर सवाल खड़ा कर देता है। आने वाले एपिसोड्स में शनाया बच्चों को बापोदरा चाल में ट्यूशन देना शुरू करती है। एक बच्चे को बुलींग का सामना करने पर उसका हौंसला बढ़ाने की कोशिश में शनाया की सलाह माता-पिता को खटक जाती है और टकराव की स्थिति बन जाती है। इसके बाद टेरेस को बंद कर दिया जाता है, लेकिन, शनाया हार नहीं मानती और तितली, अंश और रोशन की मदद से गुपचुप क्लासेस जारी रखती है। जब पुष्पा को इस बारे में पता चलता है तो वे हैरान होती हैं, लेकिन धीरे-धीरे शनाया की नीयत और उसकी ताकत को समझने लगती हैं। इसी बीच पुष्पा को यह भी पता चलता है कि शनाया ने अश्विन की मदद करने के लिए अपने कपड़े बेच दिए थे, जिसकी वजह से उसका लाइसेंस सस्पेंड हो गया। हालात और बिगड़ते हैं, जब शनाया को चिकनपॉक्स हो जाता है। ऐसे समय में पुष्पा उसका बेहद प्यार और अपनापन से ख्याल रखती हैं। यही पल शनाया के लिए टर्निंग पॉइंट बन जाता है, जब उसे पहली बार माँ जैसी ममता का एहसास होता है और वह पुष्पा को एक नए नजरिए से देखने लगती है। करुणा पांडे ने कहा,पुष्पा हमेशा दिल से जीने वाली शख्सियत रही है। लेकिन, उसकी सबसे खास बात यह है कि वह लोगों की गलतियों से आगे बढ़कर उनकी नीयत को देखती है। इस ट्रैक में मुझे सबसे ज्यादा यह छू गया कि वह जज करने के बजाए समझने का रास्ता चुनती है। शनाया की वजह से टकराव होता है, लेकिन पुष्पा उसकी नीयत और कमजोरी को पहचान लेती है।